mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-273 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
02 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

राहुल की कॉल के बाद पंजाब अध्यक्ष वड़िंग का इस्तीफा



लुधियाना,एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में चुनाव से पहले नए अध्यक्ष को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। प्रभारी सचिन पायलट की रिपोर्ट के बाद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने ङ्क(पूर्व ट्विटर) पर खुद को पूर्व कांग्रेस प्रधान लिख दिया है। इधर, संगरूर से पूर्व सांसद विजयइंदर सिंगला का नाम प्रधान पद की दौड़ में सबसे आगे है। हालांकि सिंगला को लेकर पार्टी में अभी से घमासान मचता दिख रहा है। पूर्व ष्टरू चरणजीत सिंह चन्नी और गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा दिल्ली पहुंच गए हैं। वह दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करेंगे।

चरणजीत सिंह चन्नी गुट राजा वड़िंग को प्रधान पद से हटाने की मांग पर अड़ा हुआ। हालांकि चन्नी ने कहा कि अब नाराजगी दूर हो चुकी है, सब मिलकर काम करेंगे। किसे कब, कहां पर नियुक्त करना है, हाईकमान तय करेगा। वहीं कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि मौसम और प्रधान कभी भी बदल सकता है।

तिरुवनंतपुरम में यूथ कांग्रेस-SFI कार्यकर्ताओं में पत्थरबाजी



तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरलम की राजधानी तिरुवनंतपुरम में बुधवार रात यूथ कांग्रेस और स्न्ढ्ढ कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। घटना केरल यूनिवर्सिटी के पास बॉयज हॉस्टल के बाहर हुई। यूथ कांग्रेस चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च निकाल रही थी।

मार्च के हॉस्टल के सामने पहुंचने पर दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया और जलती हुई मशालें भी फेंकी गईं। इसके बाद यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता हॉस्टल की तरफ बढ़े और विवाद बढ़ गया। मामला पास के यूनिवर्सिटी कॉलेज कैंपस तक भी पहुंच गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

क्रिमिनल केस में जज अपनी नैतिक सोच न थोपें

सुप्रीम कोर्ट बोला- फैसला फैक्ट्स के आधार पर करें, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का आदेश रद्द किया

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जमानत और आपराधिक मामलों में अदालतें अपनी निजी नैतिक सोच के आधार पर फैसला नहीं कर सकतीं। फैसला कानून और मामले के तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एएस चंद्रकुर की बेंच ने 23 सितंबर को दिए आदेश में यह बात कही। कोर्ट ने यौन शोषण के मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का जमानत खारिज करने वाला फैसला रद्द कर दिया।

कोर्ट ने आरोपी को जमानत दी: कोर्ट ने कहा कि आरोपी एक साल से ज्यादा समय से जेल में है और केस की सुनवाई पूरी होने में अभी समय लग सकता है। इन बातों को देखते हुए कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी।

हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया'

मोदी ने कैप्टन स्मित के साहस को सराहा



नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कैप्टन स्मित मछार के साहस और सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि उनके पराक्रम ने हर देशवासी को गौरव से भर दिया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि ''इस हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया।'' दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सह-पायलट द्वारा कथित तौर पर विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश के दौरान कैप्टन स्मित मछार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बावजूद उन्होंने धैर्य और सूझबूझ का परिचय दिया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिसके बाद हमलावर को काबू किया जा सका। विमान को सऊदी अरब के तबूक में सुरक्षित उतारा गया।

मोदी ने कहा कि ''हर देशवासी को स्मित का ये पराक्रम गौरव से भर देता है।'' उन्होंने बताया कि उन्होंने स्मित के पिता भूपेंद्र भाई, माता गीता बहन और पत्नी सोनल से भी बातचीत की है।

इजराइली यात्री ने टीवी शो देखकर प्लेन उड़ाना सीखा

हमलावर पायलट को पकड़कर हाइजैकिंग रोकी

खून सने कपड़ों में नेतन्याहू से मिलने पहुंचा



तेल अवीव,एजेंसी। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में बुधवार सुबह कॉकपिट के अंदर पायलटों के बीच झगड़ा हो गया। ओमानी पायलट ने भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद विमान तेजी से नीचे जाने लगा। इस दौरान यात्री यानिव हायून ने हमलावर को काबू करने और विमान को संभालने में मदद की। खास बात यह है कि उसे विमान उड़ाने की कोई ट्रेनिंग नहीं मिली थी। उसने एक TV शो देखकर विमान के कंट्रोल के बारे में जानकारी हासिल की थी। इस घटना के बाद वह खून से सने कपड़ों में ही इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलने पहुंचा।

ईडी का आरोप-यासीन मलिक समेत 7 को पाकिस्तान से फंडिंग

हवाला से 9 करोड़ आए; एनआईए कोर्ट बोली- सभी पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप तय हों



नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने यासीन मलिक समेत 7 आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत है, जिससे उन पर मजबूत संदेह होता है।

प्रवर्तन निदेशालय (ED) का आरोप है कि आरोपियों ने पाकिस्तान और अन्य आतंकी संगठनों से हवाला और अलग-अलग माध्यमों से 8.94 करोड़ लिए। इस रकम को आरोपियों तक पहुंचाई गई।

मलिक के अलावा आरोपियों में जहूर अहमद शाह वटाली, अब्दुल राशिद शेख, शबीर अहमद शाह, नवल किशोर कपूर, ट्रिसन फार्मूस एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और मसरत आलम भट शामिल हैं। श्वष्ठ ने अपराध से अर्जित रकम की जांच के लिए 14 जून 2017 को शिकायत दर्ज की थी।

ED के मुताबिक, यासीन मलिक जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) का प्रमुख था। संगठन 1990 के दशक से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और हिंसा में शामिल रहा है। जहूर अहमद शाह वटाली के यहां से जब्त दस्तावेजों में विदेशी फंडिंग की जानकारी मिली थी। इनके मुताबिक, वित्त वर्ष 2015-16 में जहूर अहमद शाह वटाली के जरिए यासीन मलिक, शबीर अहमद शाह और मसरत आलम को विदेशी रकम मिली थी।

मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी... कोर्ट ने NIA की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट का जिक्र करते हुए कहा कि यासीन मलिक को सऊदी अरब से 15.75 लाख मिले थे। 30 सितंबर को सुरक्षा कारणों से कुछ आरोपियों को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

आरएसएस ने देशभर में एनआरसी कराने की मांग दोहराई

कहा- वोटर लिस्ट की जांच हो, कौन भारतीय नागरिक और कौन नहीं यह जानना जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और जनगणना को लेकर चल रही चर्चा के बीच RSS ने देशभर में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (NRC) कराने की मांग दोहराई है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- यह साफ होना चाहिए कि कौन भारतीय नागरिक है और कौन नहीं।

आंबेकर ने कहा कि वोटर लिस्ट में गलत तरीके से शामिल गैर-नागरिकों की पहचान जरूरी है। उन्होंने सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (CAA) के तहत पात्र लोगों को नागरिकता देने और उनकी पहचान NRC के जरिए करने की बात भी कही।

आंबेकर ने जनसंख्या में बदलाव को 1947 के विभाजन से जोड़ते हुए कहा कि जनसंख्या संतुलन देश की सांस्कृतिक पहचान, एकता और सुरक्षा से जुड़ा है।



उन्होंने राजनीतिक दलों से संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं करने की अपील की। साथ ही कहा कि ऐसे मामलों को केवल 'सेक्युलर बनाम सांप्रदायिक' बहस के बजाय देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

जनसंख्या बदलाव की शुरुआत मुस्लिम आक्रमणों से जोड़ी... आंबेकर ने कहा- भारत में जनसंख्या बदलाव की शुरुआत मुस्लिम आक्रमणों के दौर से हुई। 1947 में धर्म और जनसंख्या के आधार पर देश का विभाजन हुआ था, इसलिए जनसंख्या संतुलन जरूरी है। संस्कृति की रक्षा की बात को सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता।

सूरत में 3 हत्याएं, पति-पत्नी ने 4 साल छिपाया राज:

सास, नानी और बहन की जान ली; एक शव घर में दफनाया, अब मिले कंकाल



सूरत,एजेंसी। गुजरात के सूरत जिले के कोसांबा में तीन महिलाओं की हत्या का 4 साल बाद खुलासा हुआ है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और कोसांबा पुलिस ने वडफालिया में एक घर के आंगन से मानव कंकाल बरामद किए।

पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उसकी पत्नी उर्मिला पर तीनों महिलाओं की हत्या का आरोप है। मृतकों में उर्मिला की नानी शांताबेन, बहन भगवतीबेन और माधवदास की मां मंजुलाबेन शामिल हैं।

मामला तब सामने आया जब माधवदास ने पत्नी को हत्या में फंसाने के लिए पुलिस में शिकायत की। जांच में उसकी शिकायत संदिग्ध लगी और पूछताछ के बाद तीनों हत्याओं का खुलासा हुआ।

ड्रम में शव डालकर सीमेंट से किया था बंद: पुलिस के मुताबिक, माधवदास और उर्मिला ने शांताबेन के शव को ड्रम में रखा। उसमें तीन बोरी सीमेंट और पानी डालकर शव को सील कर दिया। करीब साढ़े तीन महीने बाद दोनों ने ड्रम को खोलकर शव को सीमेंट के ब्लॉक समेत घर के बरामदे में खोदे गए गड्ढे में दफना दिया। ऊपर से सीमेंट की परत भी डाल दी गई। शांताबेन की मौत को छिपाने के लिए रिश्तेदारों को बताया गया कि उनकी मौत कोरोना से हुई है। उस समय कोरोना के दौरान शव परिजनों को नहीं दिए जाने की बात कहकर मामला दबा दिया गया।

पत्नी को फंसाने की कोशिश में खुला राज... हाल ही में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद माधवदास पुलिस के पास पहुंचा। उसने क्राइम ब्रांच को बताया था कि शांताबेन की हत्या उसकी पत्नी उर्मिला और उसके चचेरे भाई अफजल उर्फ पोटो दीवान ने की है। पुलिस ने अफजल से पूछताछ की, लेकिन उसकी हत्या में कोई भूमिका नहीं

यूपीएससी के 100 साल

यूपीएससी चयन प्रक्रिया में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बदलाव जरूरी: पीएम मोदी



नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि विकसित भारत के लिए जिस तरह की गवर्नेंस चाहिए उसका माध्यम PSC है। इसमें भर्ती होने वाले युवाओं की 2 कसौटी होनी चाहिए। पहली नेशन फर्स्ट और दूसरी सिटिजंस फर्स्ट।

पीएम मोदी संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के 100 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में भारत मंडपम पहुंचे। उन्होंने आयोग से जुड़े 100 ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित किताब का लोकार्पण किया। साथ ही शताब्दी स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट भी जारी की।

मोदी ने फ्लाई दुबई फ्लाइट को क्रैश से बचाने वाले पायलट स्मित मच्छर का जिक्र कर कहा कि भारतीय पायलट ने 9/11 होने से बचा लिया। मोदी ने कहा- आज मेरी उनके माता-पिता से बात हुई। आज पूरी दुनिया उन पर गर्व कर रही है।

UPSC हर साल इंजीनियरिंग, मेडिकल, डिफेंस समेत करीब 250 भर्ती परीक्षाएं कराता है। संस्था के पहले अध्यक्ष सर रॉस बार्कर (1926-32) थे। 100 के इतिहास में इसका नाम दो बार बदल चुका है। 1926 में नाम पब्लिक सर्विस कमीशन था, फिर 1937 में नाम फेडरल पब्लिक सर्विस कमीशन किया गया। 1950 में संविधान लागू होने के बाद यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन नाम दिया गया। मैं एक गैलरी को देख रहा था। 1920 में सुभाष चंद्र बोस जब इस प्रक्रिया यानी आईसीएस से गुजरे तो उसकी पूरी जानकारी इस गैलरी में है।

सुभाष चंद्र बोस ने संस्कृत में पेपर लिखा था... PSC के 100 साल एक उत्सव है। इसे लाखों लाख स्टूडेंट्स जीते हैं। हर भारतवासी को इस संस्था पर विश्वास है। 100 साल की यात्रा में पीढ़ियां, सरकार, टेक्नोलॉजी, सिलेबस बदले, लेकिन PSC पर भरोसा आज भी उतना ही अटूट है।

गोवा एसआईआर में कटे 97 वोटर्स पर ईसी की सफाई

● 88 के फॉर्म मिल चुके ● 3 के पास पुर्तगाली पासपोर्ट ● 6 से संपर्क किया जा रहा

पणजी,एजेंसी। गोवा में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान वोटर लिस्ट में नाम नहीं जुड़ने वाले 97 वोटरों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से 88 के फॉर्म जमा हो चुके, 3 के पास पुर्तगाली पासपोर्ट हैं, जबकि 6 विदेश में रहते हैं। इन 6 लोगों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इन 97 वोटरों को इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स ने पात्र माना था, लेकिन सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण उनके नाम अंतिम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो सके थे।



चुनाव आयोग ने छूटे वोटरों का घर-घर सर्वे किया... गोवा के मुख्य चुनाव अधिकारी संजय गोयल ने 25 सितंबर को कहा था कि अंतिम वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हुए 97 वोटरों को लेकर कोई समस्या नहीं है। छूटे वोटरों का घर-घर सर्वे कर लोगों से फॉर्म 6 भरवाया गया।

भारत-यूएई के बीच समुद्र में तेल पाइपलाइन की तैयारी

होर्मुज संकट के बीच विकल्प की तलाश; भारत 88% कच्चा तेल आयात करता है

नई दिल्ली,एजेंसी। होर्मुज संकट के बीच भारत ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत भारत और यूएई के बीच समुद्र के नीचे तेल और गैस पाइपलाइन बिछाने की तैयारी है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने यूएई के विदेश व्यापार मंत्री थानी बिन अहमद अल जेउदी से मुलाकात के बाद इसकी पुष्टि की। सरकार ने ओमान-यूएई से भारत तक समुद्र के नीचे पाइपलाइन परियोजना को प्राथमिकता में रखा है।

MEIDP (मिडिल ईस्ट टू इंडिया डीप-वॉटर पाइपलाइन) के तहत पाइपलाइन ओमान और यूएई के तट से शुरू होकर अरब सागर के नीचे से गुजरते हुए गुजरात और महाराष्ट्र के तट तक पहुंच सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर सरकारी कंपनियां परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही हैं। इसमें गहरे समुद्र में पाइपलाइन बिछाने की तकनीक, लागत और सुरक्षा समेत दूसरे पहलुओं की जांच की जाएगी।





पहले सिर्फ गैस पाइपलाइन की थी योजना... जून में सरकार ने इस परियोजना को निजी प्रोजेक्ट बताया था। शुरुआत में इसमें सिर्फ गैस पाइपलाइन की योजना थी, लेकिन अब समुद्र के रास्ते कच्चा तेल लाने की संभावना पर भी तकनीकी अध्ययन शुरू हो गया है।

क्यों पड़ी इस पाइपलाइन की जरूरत? भारत अपनी जरूरत का करीब 88% कच्चा तेल आयात करता है। होर्मुज में तनाव के बीच भारत ऊर्जा सप्लाई के लिए वैकल्पिक रास्ते तैयार करना चाहता है। देश में आने वाली आधी से ज्यादा LPG और LNG भी कतर और यूएई से इसी समुद्री रास्ते से जहाजों के जरिए आती है।

बिहार में बाढ़ से 2 लाख लोग प्रभावित यूपी में मानसून लौटना शुरू

26 गांवों में बाढ़; केदारनाथ में पारा माइनस 4डिग्री

नई दिल्ली,एजेंसी। यूपी में मानसून की वापसी शुरू हो गई है। गोंडा के 26 गांवों में घाघरा नदी का पानी घुस गया है। बाढ़ से करीब 6 हजार लोग प्रभावित हैं। सड़कों पर नाव चल रही है। पानी में डूबने से 2 लोगों की मौत हो गई है। बिहार के 6 जिलों में बाढ़ से 2.03 लाख लोग प्रभावित हैं। नेपाल में हो रही भारी बारिश के कारण गंडक, कोसी समेत कई नदियां उफान पर हैं। छपरा के हजलपुर गांव में बांध टूटने के बाद पानी के तेज बहाव में एक घर टूटकर बह गया।

उत्तराखंड के 5 पहाड़ी जिलों में आज बारिश की संभावना है। किसी भी जिले के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। वहीं, एक हफ्ते पहले हुई बर्फबारी के बाद आज केदारनाथ का तापमान माइनस 4°C रिकॉर्ड किया गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) के मुताबिक, 2019 के बाद दिल्ली में इस साल सबसे प्रदूषित मानसून रहा। जुलाई से सितंबर के बीच औसत AQI 105 रहा।



संक्षिप्त समाचार

बंगाल में दुर्गा पूजा का समय, बस में बढ़ रही महिलाओं की संख्या

निशुल्क बस यात्रा के लिए एनबीएसटीसी ने मांगे 25 करोड़



कोलकाता,एजेंसी। सरकारी बसों में महिलाओं की निशुल्क यात्रा के बढ़ते दबाव के बीच उत्तरबंग राज्य परिवहन निगम (एनबीएसटीसी) ने राज्य सरकार से 25 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मांगी है। निगम के प्रबंध निदेशक अश्विनीकुमार राय ने बताया कि नवंबर तक महिला यात्रियों की निशुल्क यात्रा का खर्च संभालने के लिए यह राशि मांगी गई है। राज्य सरकार पहले ही दो चरणों में निगम को 23 करोड़ 74 लाख रुपये दे चुकी है, जो अब खत्म होने के करीब है। निगम के अनुसार, निशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू होने के बाद बसों में महिला यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पूजा के दौरान लंबी दूरी की बसों में अग्रिम बुकिंग भी बढ़ी है और इनमें बड़ी संख्या महिला यात्रियों की है। यात्रियों की सेवा सामान्य बनाए रखने के लिए निगम ने अतिरिक्त राशि की मांग की है।

पूजा से पहले बंद रूटों पर फिर बसें: पूजा से पहले उत्तर बंगाल के कई रूटों पर बस सेवा फिर शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इनमें दिनहाटा के कई रूट भी शामिल हैं, जहां विभिन्न कारणों से पहले बस सेवा बंद हो गई थी। यात्रियों की मांग को देखते हुए इन मार्गों पर दोबारा बसें चलाने की तैयारी है।

केरलम में बढ़ा राजनीतिक तनाव, भाजपा मुख्यालय और पार्टी नेता की गाड़ी पर हमला

फेंके पत्थर



तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि तिरुअनंतपुरम स्थित उसके राज्य मुख्यालय पर अज्ञात लोगों ने हमला किया। पार्टी के अनुसार, हमलावरों ने इमारत पर बोतलें और पत्थर फेंके। इससे पहले शाम को भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पीके कृष्णदास के वाहन पर भी हमला किया गया। भाजपा ने दोनों घटनाओं की निंदा करते हुए कहा कि पार्टी कार्यालय पर हमला लोकतंत्र के मूल्यों के लिए चुनौती है। पार्टी ने कहा कि राजनीतिक रूप से सामना करने में असमर्थ होने पर हिंसा का सहारा लेना लोकतांत्रिक राजनीति के अनुरूप नहीं है। कृष्णदास के वाहन पर हमला नेय्याट्टिनकारा में हुआ। भाजपा ने आरोप लगाया कि वाहन में तोड़फोड़ की गई। इसके बाद पार्टी ने गुरुवार को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। ये घटनाएं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया कोल्लम दौरे के दौरान हुए काले झंडे के विरोध के बाद बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच सामने आई हैं। इससे पहले कांग्रेस ने भी अपने कार्यालयों पर हमले और स्थानीय नेताओं को धमकाने के आरोप लगाए थे। भाजपा ने जवाब में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अपने तिरुअनंतपुरम दक्षिण जिला अध्यक्ष बीजू पर हमले का आरोप लगाया था।

300 की रिश्वत का मामला पटवारी को तीन दशक बाद मिला न्याय

एमपी हाई कोर्ट ने खारिज की सरकार की अपील

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सागर जिले में लगभग तीन दशक पूर्व 300 रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए पटवारी मुन्ना लाल को हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति संजय एस. कलगांवकर की एकलपीठ ने सरकार की अपील को खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट द्वारा पटवारी को दोषमुक्त किए जाने के आदेश को सही ठहराया है। अभियोजन के अनुसार, खुरई क्षेत्र में पदस्थ पटवारी मुन्ना लाल ने डुप्लीकेट भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका जारी करने के लिए शिकायतकर्ता वीर सिंह से 300 रुपये रिश्वत मांगी थी। 17 अक्टूबर 1996 को लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ा था। जिला न्यायालय ने दिसंबर 1997 में उन्हें दोषमुक्त करार दिया। इस फैसले के खिलाफ सरकार ने 1998 में हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। सुनवाई के दौरान एकलपीठ ने पाया कि ट्रायल कोर्ट में मूल रिकॉर्डिंग सत्यापित नहीं हुई, और आरोपी की आवाज की पहचान भी नहीं कराई गई।

धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला

महुआ मोइत्रा को हाई कोर्ट से मिली अंतरिम राहत 29 जनवरी तक बढ़ाई गई, पुलिस सुरक्षा भी रहेगी बहाल

कोलकाता,एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दर्ज एक मामले में तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को दी गई अंतरिम राहत (गिरफ्तारी से छूट) की अवधि 29 जनवरी तक बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ ने गुरुवार को यह आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि सांसद को गिरफ्तारी से सुरक्षा जरूर मिली है, लेकिन मामले की पुलिस जांच जारी रहेगी और महुआ को जांच प्रक्रिया में पूरा सहयोग करना होगा। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने 13 जनवरी की तारीख तय की है। इसके साथ ही, हाल ही में उनके संसदीय क्षेत्र में हुए अंडा फेंकने के मामले में अदालत ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था को



भी 30 नवंबर तक बहाल रखने का सख्त निर्देश दिया है। धार्मिक भावनाओं से जुड़ा यह पूरा विवाद राज्य में हुए हालिया विधानसभा चुनाव के बाद का है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, बीते 15 जून को अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल से एक लाइव प्रसारण के दौरान सांसद ने कुछ ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन्हें धार्मिक रूप से आपत्तिजनक माना गया। इस घटना के अगले ही दिन, भाजपा के करीमपुर मंडल-4 के महासचिव हीरक भट्टाचार्य ने नदिया जिले के होगलबेड़िया थाने में उनके खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ महुआ मोइत्रा ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। जुलाई में न्यायमूर्ति भट्टाचार्य की पीठ ने उन्हें 5 अक्टूबर तक किसी भी कठोर कार्रवाई से अंतरिम राहत दी थी, जिसकी मियाद अब अदालत ने एक बार फिर बढ़ा दी है। दूसरी ओर, कृष्णनगर से सांसद महुआ मोइत्रा को हाल ही में अपने ही लोकसभा क्षेत्र में भारी विरोध और अंडा फेंके जाने की घटना का सामना करना पड़ा था। घटना उस वक्त हुई जब वह तेहट्टा के हौलिया पार्क मोड़ स्थित पार्टी कार्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने पहुंची थीं। आरोप है कि उनके आने की खबर पाकर वहां जमा हुए कुछ भाजपा समर्थकों ने उनका विरोध किया और उन पर अंडे फेंके। इस घटना के बाद महुआ ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा था कि पर्याप्त सुरक्षा के अभाव में वह अपने क्षेत्र में सुचारू रूप से काम नहीं कर पा रही हैं। उनकी इस अपील पर अदालत ने उनके संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान दो पुलिसकर्मियों को उनकी सुरक्षा में तैनात रहने का आदेश दिया था, जिसे अब 30 नवंबर तक के लिए विस्तार दे दिया गया है। हालांकि, अंडा फेंकने की इन घटनाओं को लेकर अब कानूनी प्रक्रिया में थोड़ा बदलाव आया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवींद्र वी. घुगे की अदालत में इस घटनाक्रम को लेकर हाल ही में एक जनहित याचिका दायर की गई है। मुख्य न्यायाधीश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंडा फेंकने से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई अब उनकी ही पीठ द्वारा की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश के इस निर्देश के मद्देनजर, न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने गुरुवार को महुआ मोइत्रा पर अंडा फेंके जाने से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को औपचारिक रूप से अलग कर लिया।

दिल्ली में बारिश थमते ही बढ़ा प्रदूषण, 92 दिनों में सिर्फ एक दिन मिली स्वच्छ हवा, 48 घंटे में 38% बढ़ा पॉल्यूशन

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून की 576.9 मिमी वर्षा भी दिल्ली की हवा को पूरी तरह साफ नहीं कर सकी। सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के नए आकलन के मुताबिक जून से अगस्त तक 92 दिनों में दिल्ली में सिर्फ एक दिन वायु गुणवत्ता 'अच्छी' रही। वर्षा थमने के 24 घंटे बाद पीएम 2.5 का स्तर 10.7 प्रतिशत और 48 घंटे बाद 37.9 प्रतिशत बढ़ गया। सीएसई के अनुसार, नौ जुलाई को 67.75 मिमी वर्षा के बीच ही इस मानसून का एकमात्र 'अच्छी' हवा वाला दिन दर्ज हुआ। आठ अगस्त को मानसून की सबसे अधिक 101.05 मिमी वर्षा हुई, लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता केवल 'संतोषजनक' रही। मानसून में औसत पीएम 2.5 स्तर 40.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो गर्मियों के 60.2 माइक्रोग्राम से 33.2 प्रतिशत कम था।

प्रदूषण में आई कमी ज्यादा देर कायम नहीं रही: हालांकि वर्षा के दौरान प्रदूषण में आई कमी ज्यादा देर कायम नहीं रही। छह अलग-अलग वर्षा की घटनाओं



के विश्लेषण में वर्षा से पूर्व पीएम 2.5 का औसत स्तर 40.6 माइक्रोग्राम था, जो वर्षा के दौरान घटकर 32.7 माइक्रोग्राम रह गया। लेकिन 24 घंटे बाद यह 36.2 और 48 घंटे बाद 45.1 माइक्रोग्राम पर पहुंच गया। यानी वर्षा के दो दिन बाद स्तर वर्षा के दौरान के मुकाबले 37.9 प्रतिशत अधिक हो गया और वर्षा से पहले के स्तर से भी 11.1 प्रतिशत ऊपर पहुंच गया।

मानसून के 53 दिन यानी 57.6 प्रतिशत दिन 'मध्यम' वायु गुणवत्ता श्रेणी में रहे। 35 दिन 'संतोषजनक', तीन दिन 'खराब' और केवल एक दिन 'अच्छी' श्रेणी में रहा। सीएसई के मुताबिक, वर्षा से कण प्रदूषक तो धुल जाते हैं, लेकिन गैसीय प्रदूषक बने रहते हैं। मानसून के 20 दिनों में जमीन के करीब बनने वाली ओजोन प्रमुख प्रदूषक रही। नाइट्रोजन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड की मौजूदगी भी महत्वपूर्ण रही।

समन्वित तरीके से उत्सर्जन कम करना होगा: सीएसई की कार्यकारी निदेशक (शोध एवं वकालत) अनुमिता रायचौधरी ने कहा कि वर्षा अस्थायी राहत देती है, लेकिन प्रदूषण के मूल स्रोतों को खत्म नहीं करती। उन्होंने कहा कि सर्दियों में अस्थायी उपायों पर निर्भर रहने के बजाय पूरे एनसीआर में सालभर और सभी क्षेत्रों में समन्वित तरीके से उत्सर्जन कम करना होगा। सीएसई ने परिवहन में बिजली आधारित व्यवस्था, स्वच्छ औद्योगिक ईंधन, खुले में कचरा जलाने पर रोक, निर्माण कचरे के पुनर्चक्रण, निर्बाध बिजली आपूर्ति और पूरे एनसीआर के लिए एकीकृत 'एयरशेड' व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया है।

मानसून में दिल्ली के पीएम 2.5 पर असर (माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर में): -वर्षा से पहले - 40.6 -वर्षा के दौरान - 32.7 -24 घंटे बाद - 36.2

अगर केंद्र और मणिपुर सरकार ने कुछ नहीं किया तो लेंगे चीन की मदद, सुरक्षा को लेकर नगा ग्रुप ने दी धमकी

गुवाहाटी, एजेंसी। मणिपुर में तंगखुल नगा छात्रों और सिविल सोसाइटी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि भारत-म्यांमार सीमा के संवेदनशील इलाकों में नगा नागरिकों की अनदेखी उन्हें चीन समेत पड़ोसी देशों से मदद मांगने के लिए मजबूर कर सकती है। उन्होंने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकार से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की। इम्फाल में तांगखुल अजे कतमनाओ लॉन्ग जिसे सदर्न तांगखुल स्टूडेंट्स यूनियन के नाम से भी जाना जाता है के प्रेसिडेंट यारचूइसो काशुंग ने कहा, 'इस मोड़ पर हम बहुत थक चुके हैं। '

'चीन से मदद मांगने के अलावा नहीं बचेगा कोई रास्ता': काशुंग ने आगे कहा, 'अगर मणिपुर सरकार और भारत सरकार मूल निवासियों खासकर बॉर्डर के संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा करने



में असमर्थ या अनिच्छुक है तो लोगों के पास चीन जैसे पड़ोसी देशों से मदद मांगने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचेगा। ' काशुंग ने नगा नागरिकों की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की और कहा, 'अगर मुख्यमंत्री राज्य और वहां के लोगों की सुरक्षा करने में असमर्थ हैं तो उन्हें खुद ही इस्तीफा दे देना चाहिए। '

जाहिर की अलगाव की भावना: सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों में अलगाव की भावना जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, 'जब मणिपुर राज्य सरकार और केंद्र सरकार को हमारी कोई परवाह नहीं होती तो सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले हम लोगों को ऐसा लगता है कि हम न तो मणिपुर का हिस्सा हैं, न केंद्र सरकार का और न ही भारत का। ' काशुंग ने हाल ही में तामेंगलोंग, सेनापति और कामजोंग में नगा नागरिकों की हत्याओं का हवाला दिया, जिसमें 17 वर्षीय लियांगमेई नगा लड़का, तीन माओ नगा नागरिक और कामजोंग के पिलोंग में चार तांगखुल नगा नागरिक शामिल थे।

उन्होंने जवाबदेही की मांग की। यह बयान नगा-कुकी-जो संघर्ष से जुड़े तनाव के बीच आया है। यह संघर्ष फरवरी में शुरू हुआ था।

ईबी-5 ग्रीन कार्ड पर ट्रंप प्रशासन का सख्त फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रवासियों के लिए अमेरिका में स्थायी निवास को लगातार मुश्किल बना रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर अब ईबी-ग्रीन कार्ड वीजा प्रोग्राम पर पड़ गई है। ट्रंप प्रशासन ने निवेश के जरिये ग्रीन कार्ड (स्थायी निवास) पाने वाले लोकप्रिय वीजा प्रोग्राम की फीस को दोगुने से भी अधिक बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी नागरिकता और अप्रवासन सेवा ने बीते मंगलवार को इस नए नियम को अंतिम रूप दे दिया है, जो आगामी



30 नवंबर से आधिकारिक तौर पर लागू हो जाएगा। सरकार के फैसले के बाद मुख्य आव्रजन फॉर्मों की फीस में भारी इजाफा किया गया है। इसके तहत स्टैंडअलोन इन्वेस्टर (फॉर्म आई-526) की फीस 3,675 डॉलर से बढ़ाकर 7,615 डॉलर (करीब 7.30 लाख रुपये) कर दी गई है। वहीं, रीजनल सेंटर इन्वेस्टर (फॉर्म आई-526ई) के लिए शुरुआती आवेदन शुल्क 3,675 से बढ़ाकर 7,850 डॉलर किया गया है। इसके साथ ही ग्रीन कार्ड की शर्तों को स्थायी कराने की फीस 3,750 से बढ़कर 5,000 डॉलर हो जाएगी। इतना ही नहीं, प्रशासन के फैसले के मुताबिक नए आवेदनों पर 75 डॉलर की टेक्नोलॉजी फीस भी लागू होगी और रीजनल सेंटर निवेशकों को 'इंटीग्रिटी फंड फीस' अलग से देनी होगी। एच-1बी के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल कर रहे भारतीयः भारतीय निवेशकों के लिए यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के वर्षों में लॉटरी सिस्टम, वीजा शुल्क में बढ़ोतरी समेत एच-1बी वीजा की अनिश्चितताओं से बचने व विकल्प के तौर पर रिकॉर्ड संख्या में अमीर भारतीयों ने ईबी-5 इन्वेस्टर वीजा प्रोग्राम का रुख किया है। ऐसे में इसका शुल्क बढ़ने पर अब समस्याएं और बढ़ जाएंगी

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर की एयरस्ट्राइक

● दो घरों पर बरसीं मिसाइलें, नौ की मौत, महिलाएं और बच्चे भी घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जुबैहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया है कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में कम से कम नौ अफगान नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। मुजाहिद के मुताबिक, बुधवार रात अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाया गया। हमले में तीन मकान भी तबाह होने का दावा किया गया है।तालिबान प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गरमसर जिले के सफर इलाके में पाकिस्तानी विमानों ने हवाई हमले किए। उनके अनुसार, इन हमलों में नौ अफगान नागरिक मारे गए और 11 अन्य घायल हुए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तीन घरों के नष्ट होने की भी बात कही गई है। मुजाहिद ने इस कार्रवाई को आक्रामकता और अपराध बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला स्वीकार्य अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का उल्लंघन है।हाल के दिनों में कई इलाकों में हमलेअफगानिस्तान में यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से कई अफगान प्रांतों में हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। 24 सितंबर को कंधार, पक्तिया और खोस्त में हुए पाकिस्तानी हमलों में चार नागरिकों के मारे जाने का दावा किया गया था। इससे तीन दिन पहले कुनार और पक्तिका में हुए हमलों में तीन लोगों की मौत की बात सामने आई थी। इस तरह हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।तालिबान ने पाकिस्तान पर लगाए गंभीर आरोपतालिबान प्रवक्ता जुबैहुल्लाह मुजाहिद ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में हमलों के जरिए अपने देश की आंतरिक समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया था। कंधार के एक धार्मिक मदरसे में बोलते हुए मुजाहिद ने दावा किया था कि पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं और घरेलू विरोध-प्रदर्शनों के बीच वहां की सरकार अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए लोगों का ध्यान दूसरी ओर ले जाना चाहती है। हालांकि, ये आरोप तालिबान पक्ष की ओर से लगाए गए हैं। मक्का समझौते का भी उठाया मुद्दा मुजाहिद ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए रक्षा समझौते का भी जिक्र किया। तीनों देशों ने 7 अगस्त को मक्का में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। मुजाहिद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए इस समझौते से बचने और खुद को अफगानिस्तान के साथ युद्ध में दिखाने की कोशिश कर रहा है।

प्रवासियों को लेकर ब्रिटेन-फ्रांस का समझौता खत्म

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और फ्रांस के बीच चल रही एक योजना को खत्म कर दिया गया है। इस योजना का मकसद छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार करके ब्रिटेन आने वाले प्रवासियों की संख्या कम करना था। ब्रिटेन सरकार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तथाकथित 'एक के बदले एक' समझौते के तहत अब नए मामलों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस योजना के तहत जो लोग खतरनाक तरीके से इंग्लिश चैनल पार करके ब्रिटेन पहुंचते थे, उन्हें हिरासत में लिया जा सकता था। उन्हें फ्रांस वापस भेजा जा सकता था। इसके बदले फ्रांस से उतने ही शरण मांगने वाले लोगों को ब्रिटेन लाया जाना था। इन लोगों ने सुरक्षित और कानूनी रास्ते से ब्रिटेन में शरण के लिए आवेदन किया था। इस समझौते के तहत करीब 1,500 लोगों को फ्रांस वापस भेजा गया है। इसके बदले इससे थोड़े कम लोगों को ब्रिटेन लाया गया है। योजना अब सक्रिय नहीं है। लेकिन गृह मंत्रालय ने कहा कि जिन लोगों को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है, उन्हें आने वाले हफ्तों में विमान से वापस भेजने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

इस साल क्यों घटे छोटी नावों से आने वाले लोग: फिलहाल हालात पिछले साल से काफी अलग हैं। इस साल इंग्लिश चैनल पार करने वाले लोगों की संख्या तेजी से घटी है। यह संख्या पांच साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। इसके पीछे कई वजहें बताई गई हैं। इनमें पुलिस की बढ़ी हुई गश्त और उत्तरी फ्रांस में निगरानी बढ़ाना शामिल है। इस साल अब तक करीब 19 हजार लोगों ने इंग्लिश चैनल पार किया है। पिछले साल इसी अवधि की तुलना में यह संख्या करीब 40 प्रतिशत कम है।

छोटी नावों से यात्रा कितनी खतरनाक: सोमवार को हुई एक घटना ने इस यात्रा के खतरे को सामने ला दिया। 10 साल के एक बच्चे और दो महिलाओं की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नाव में 100 से ज्यादा लोग सवार थे। भीड़ में दबकर कुचले जाने से तीनों की मौत हुई।

ब्रिटेन और फ्रांस के बीच सहयोग क्यों रुका था: 2020 में ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद छोटी नावों से आने वाले लोगों को रोकने के मुद्दे पर दोनों देशों का सहयोग धीमा पड़ गया था।

इराक से अमेरिकी सेना की वापसी पूरी

बगदाद, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को इराक से अपने सभी सैनिकों की वापसी पूरी कर ली। इसके साथ ही आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के खिलाफ 12 साल से चल रहा अमेरिकी सैन्य अभियान खत्म हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस अभियान के खत्म होने की सराहना की। हालांकि, उन्होंने इसे 'बहुत महंगा और नरक जैसा अभियान' बताया।अमेरिकी सेना के आखिरी सैनिक उत्तरी इराक के एक हवाई अड्डे से रवाना हुए। यह वापसी बगदाद और वाशिंगटन के बीच हुए समझौते के तहत हुई। ट्रंप ने 30 सितंबर की तय समय सीमा तक हुई वापसी को 'व्यवस्थित' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस दलदल में अमेरिका को शामिल करने के फैसले बहुत खराब थे। उन्होंने कहा कि जल्द ही यह सब इतिहास का हिस्सा बन जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना की वापसी अमेरिका और इराक की जीत है। उन्होंने इसे इस्लामिक स्टेट पर जीत का संकेत भी बताया।

ईरान युद्ध के बीच क्यों हुई वापसी:



अमेरिकी सेना की वापसी पर दो साल पहले सहमति बनी थी। यह फैसला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जारी है। इस युद्ध का असर कई बार इराक तक भी पहुंचा है। ईरान समर्थित सशस्त्र गुटों ने अमेरिकी सैनिकों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने इन गुटों के ठिकानों पर हमले किए हैं।ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब इस साल की शुरुआत में ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के उनके फैसले की तुलना इराक युद्ध से की जा रही है। ईरान के साथ युद्ध अब सातवें महीने के करीब पहुंच गया है। इसकी तुलना इराक युद्ध से इसलिए की जा रही है, क्योंकि इस अभियान का मकसद भी स्पष्ट नहीं बताया गया था। हाल के वर्षों में वाशिंगटन ने पश्चिम एशिया से अपना फोकस एशिया की ओर करने की कोशिश की है। लेकिन यह बदलाव लगातार एक जैसा नहीं रहा। अमेरिकी रक्षा विभाग कभी पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी कम करता रहा। फिर वह नए संघर्षों में उलझता रहा। इनमें ईरान के साथ चल रहा युद्ध भी शामिल है।

अमेरिकी सेना की वापसी पर इराक में कैसी प्रतिक्रिया: इराक ने अमेरिकी अभियान के खत्म होने को देश की बढ़ती ताकत और संप्रभुता का संकेत बताया। ईरान समर्थित गुटों ने भी अमेरिकी सेना की वापसी का स्वागत किया है। लेकिन इराक के कुछ दूसरे लोगों ने इस पर चिंता जताई है। खास तौर पर कुर्द क्षेत्र में चिंता है। वहां कई लोगों को डर है कि इस्लामिक स्टेट फिर से मजबूत हो सकता है। ईरान से जुड़े गुटों के हमले भी बढ़ सकते हैं। अमेरिकी सैनिकों के जाने से इन गुटों का हौसला बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। इस बीच इराकी सशस्त्र गुटों के भविष्य को लेकर भी सवाल बने हुए हैं। इराक सरकार इन गुटों को हथियार छोड़ने के लिए तैयार करने की कोशिश कर रही है। अब तक इसमें ज्यादा सफलता नहीं मिली है।

अमेरिकी सेना ने क्या कहा: अमेरिकी रक्षा विभाग के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सैनिकों और सैन्य सामान ने उत्तरी इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र में स्थित इरबिल के हवाई अड्डे से 'व्यवस्थित वापसी' पूरी कर ली है। उन्होंने कहा कि यह 12 साल के उस अभियान की सफलता को दिखाता है, जिसने इराक और पूरे क्षेत्र में आईएसआईएस को एक संगठित सैन्य खतरे के रूप में हरा दिया। उन्होंने कहा कि अब युद्ध के समय चलने वाले गठबंधन अभियान से इराक के नेतृत्व वाले सुरक्षा अभियान की ओर बदलाव हो रहा है। इसे दोनों देशों के बीच सामान्य सुरक्षा संबंधों के जरिये समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना इराक के अपने साझेदारों को जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षण और खुफिया जानकारी देती रहेगी।

इराक के प्रधानमंत्री ने क्या कहा: इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने अमेरिकी सेना की वापसी के मौके पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने अमेरिकी सेना की वापसी को एक 'नए दौर' की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह दौर इराक की संप्रभुता, मजबूत संस्थानों, तैयार सुरक्षा बलों, फैसले लेने में एकजुटता और मित्र देशों के साथ संतुलित साझेदारी पर आधारित होगा।

चुनावी वादे और घोषित कीमत में 90 रुपए का अंतर, 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीद की स्थिति स्पष्ट करने की मांग

गेहूं के समर्थन मूल्य में 25 रुपए की वृद्धि पर किसान सभा ने उठाए सवाल।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्र सरकार द्वारा विपणन वर्ष 2027-28 के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में मात्र 25 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि किए जाने पर मध्य प्रदेश किसान सभा ने सवाल उठाए हैं केंद्र सरकार ने 30 सितंबर 2026 को गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपए से बढ़ाकर 2610 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया है किसान सभा का कहना है कि चुनाव के दौरान किसानों से किए गए वादे और अब घोषित समर्थन मूल्य के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। मध्य प्रदेश किसान सभा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष तेजभान सिंह ने कहा कि वर्ष 2023 के मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के संकल्प पत्र में किसानों से गेहूं 2700 रुपए और धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का वादा किया गया था उनके अनुसार मध्यप्रदेश विधानसभा के अभिलेखों में भी संकल्प पत्र में गेहूं की 2700 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीद के प्रावधान की पुष्टि दर्ज है तेजभान सिंह ने कहा कि वर्तमान में घोषित गेहूं के समर्थन मूल्य और चुनावी वादे के बीच 90 रुपए प्रति क्विंटल का अंतर है उन्होंने सरकार से सवाल किया कि किसानों से किए गए 2700 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीद के वादे को कब और किस व्यवस्था के तहत पूरा किया जाएगा किसान सभा ने इस संबंध में सरकार से स्पष्ट जानकारी देने की मांग की है।

उत्पादन लागत और सरकारी खरीद पर उठाए सवाल: किसान सभा के अनुसार केंद्र सरकार गेहूं के समर्थन मूल्य को उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक बताकर पेश कर रही है। सरकार द्वारा बताए गए आंकड़ों के अनुसार विपणन वर्ष 2027-28 के लिए गेहूं की उत्पादन लागत 1264 रुपए और समर्थन मूल्य 2610 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसान सभा का कहना है कि केवल समर्थन मूल्य घोषित करना पर्याप्त नहीं है किसानों को घोषित दर पर वास्तविक और पर्याप्त सरकारी खरीद की गारंटी मिलनी चाहिए ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

बढ़ती लागत से किसान परेशान: तेजभान सिंह ने कहा कि खेती में डीजल, खाद, बीज, कीटनाशक और बिजली की बढ़ती कीमतों के कारण किसानों की लागत लगातार बढ़ रही है इसके अलावा आवारा पशुओं और जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा करने में भी अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है।

जिला चिकित्सालय में कलेटर ने परखी स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था

चिकित्सकों से संवाद कर उपचार, रात्रिकालीन सेवाओं और ट्रामा सेंटर की समीक्षा, मातृ-शिशु मृत्यु रोकने पर विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय सीधी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया उन्होंने चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों, उपचार एवं जांच सुविधाओं, रात्रिकालीन सेवाओं और ट्रामा सेंटर का निरीक्षण किया इस दौरान चिकित्सकों से संवाद कर अस्पताल में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को उत्कृष्ट, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है चिकित्सकों को निर्धारित समय पर चिकित्सालय में उपलब्ध रहने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार में पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता बरती जाए अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार के साथ सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए।



निजी प्रैक्टिस के नियमों का पालन जरूरी: निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चिकित्सकों द्वारा निजी प्रैक्टिस के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में पदस्थ चिकित्सकों की उपलब्धता और ड्यूटी व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए ताकि मरीजों को उपचार के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े अस्पताल की कार्यप्रणाली में अनुशासन और जवाबदेही बनाए रखने पर भी उन्होंने जोर दिया।

अस्पताल की जरूरतों की सूची बनाने के निर्देश: कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों की विस्तृत जानकारी तैयार करने को कहा उन्होंने भवन, उपकरण, चिकित्सा संसाधन, मानव संसाधन और अन्य आवश्यकताओं की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर उनका चिन्हांकन करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जिन सुविधाओं और संसाधनों की तत्काल आवश्यकता है उनके निराकरण के लिए संबंधित स्तर पर कार्रवाई की जाए।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता: कलेक्टर ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु की रोकथाम के लिए पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

हर घर नल से बदली लकोड़ा की तस्वीर, पानी की समस्या खत्म होने से बढ़ा महिलाओं का आत्मविश्वास



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल जीवन मिशन ने सीधी जिले के ग्राम लकोड़ा की तस्वीर बदल दी है वर्षों से पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को अब घर पर ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। घर-घर नल कनेक्शन पहुंचने से न केवल पानी की समस्या दूर हुई है बल्कि महिलाओं के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है पानी लाने में खर्च होने वाला समय अब वे सिलाई, पशुपालन और छोटे व्यवसायों जैसी गतिविधियों में लगा रही हैं इससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर भी बढ़े हैं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम लकोड़ा में पेयजल व्यवस्था को मजबूत किया गया है लगभग 2584 की आबादी वाले इस गांव में 538 परिवार निवास करते हैं योजना के तहत सभी 538 परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है गांव में 150 किलोलीटर क्षमता की उच्च स्तरीय पानी की टंकी और 20 किलोलीटर क्षमता के सम्पवेल का निर्माण भी किया गया है योजना के सफल क्रियान्वयन के बाद ग्राम लकोड़ा को हर घर जल प्रमाणित किया गया है।

कुओं और हैंडपंपों पर निर्भर थे ग्रामीण: जल जीवन मिशन से पहले गांव में पेयजल की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए कुओं और हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ता था गर्मी के मौसम में जल स्रोतों का जलस्तर घटने और उनके सूखने से संकट और गहरा जाता था ऐसे में महिलाओं और बच्चों को पानी जुटाने के लिए दूर-दराज तक जाना पड़ता था पानी की व्यवस्था में दिन का काफी समय निकल जाता था, जिससे घरेलू कामकाज और अन्य गतिविधियां प्रभावित होती थीं।

घरों तक पानी पहुंचने से मिली राहत: अब घरों में नल से पानी मिलने के कारण ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता विशेष रूप से महिलाओं को इससे बड़ी राहत मिली है पानी लाने में लगने वाला समय बचने से वे अपने परिवार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं कई महिलाएं सिलाई, पशुपालन और छोटे व्यवसायों के माध्यम से परिवार की आय बढ़ाने की दिशा में प्रयास कर रही हैं वहीं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं सामुदायिक और आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

महिलाओं ने बताया सम्मान और राहत का एहसास: गांव की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब उनके घरों में नल कनेक्शन लगाए गए तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

वृद्धजन दिवस पर बुजुर्गों का सम्मान, जिला अस्पताल में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय सीधी में बुजुर्गों के सम्मान और स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और उनके स्वास्थ्य की देखभाल का संदेश दिया गया अस्पताल परिसर में वृद्ध जन दिवस जिला सीधी थीम पर आकर्षक रंगोली भी बनाई गई जिसने कार्यक्रम के उद्देश्य को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ. दीपा रानी इसरानी ने जिला चिकित्सालय पहुंचे वृद्धजनों का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया उन्होंने बुजुर्ग मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सकीय सुविधाओं के संबंध में भी चर्चा की इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, नेत्र परीक्षण सहित सामान्य स्वास्थ्य की जांच की गई स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जिन बुजुर्गों को उपचार या दवाओं की आवश्यकता पाई गई, उन्हें चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और नियमित जांच के महत्व की जानकारी भी दी। सिविल सर्जन डॉ. दीपा रानी इसरानी ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। उनके जीवन के अनुभव, संस्कार और मूल्य नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों की देखभाल केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज को भी उनके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का भाव रखना चाहिए उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में एनपीएचसीई कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके तहत बुजुर्गों के लिए अलग काउंटर, वार्ड और नि:शुल्क उपचार की सुविधा का प्रावधान किया गया है उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से इन सुविधाओं का लाभ लेने और समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की। कार्यक्रम में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बुजुर्गों की सामान्य स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली गई और आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श दिया गया आयोजन का उद्देश्य वृद्धजनों को सम्मान देने के साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने कहा कि बढ़ती उम्र में नियमित स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार में मदद मिल सकती है इस अवसर पर बुजुर्गों को उपलब्ध शासकीय स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी दी गई।



सीधी कन्या महाविद्यालय में 110 छात्राओं को दिया जा रहा ब्यूटीशियन प्रशिक्षण

स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की पहल, दो बैच में संचालित हो रहा कौशल विकास कार्यक्रम



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कोर्स संचालित किया जा रहा है स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 25 अगस्त 2026 से शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय की 110 छात्राएं हिस्सा ले रही हैं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश नामदेव के मार्गदर्शन में संचालित इस कार्यक्रम के तहत छात्राओं को सौंदर्य देखभाल और ब्यूटीशियन से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक एवं तकनीकी कौशल सिखाए जा रहे हैं प्रशिक्षण के लिए दो अलग अलग बैच बनाए गए हैं ताकि छात्राओं को व्यवस्थित तरीके से प्रशिक्षण दिया जा सके। प्रथम बैच की जिम्मेदारी प्रशिक्षक सुषमा साहू को सौंपी गई है, जबकि द्वितीय बैच में प्रशिक्षक ज्योति वर्मा छात्राओं को प्रशिक्षण दे रही हैं इस दौरान छात्राओं को व्यक्तिगत सौंदर्य देखभाल से जुड़ी जरूरी जानकारी के साथ व्यावसायिक कौशल विकसित करने का अवसर मिल रहा है प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक दक्षता प्रदान करना है इससे छात्राएं भविष्य में ब्यूटीशियन के क्षेत्र में रोजगार हासिल करने के साथ स्वयं का व्यवसाय शुरू करने की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगी। कार्यक्रम की संयोजक प्रभा सिंह और सहसंयोजक डॉ. राजेश कुमार साहू हैं। महाविद्यालय प्रबंधन के अनुसार छात्राओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर तलाश सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

APSU की समस्याओं को लेकर NSUI की दंडवत यात्रा, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (APS) में छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर एनएसयूआई ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और छात्रों ने करीब दो किलोमीटर तक दंडवत परिक्रमा करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा दंडवत यात्रा के माध्यम से संगठन ने विश्वविद्यालय की विभिन्न समस्याओं और कथित अनियमितताओं की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। एनएसयूआई ने ज्ञापन में परीक्षा और परिणामों में हो रहे विलंब, कथित नियुक्ति एवं वित्तीय अनियमितताओं, विजिटिंग फैकल्टी, छात्रवृत्ति और शासकीय योजनाओं सहित विश्वविद्यालय से जुड़े कई मामलों को उठाया है संगठन ने इन मामलों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है साथ ही जांच में यदि किसी अधिकारी, शिक्षक या कर्मचारी की जिम्मेदारी सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा मामला: एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी संस्था है परीक्षा और परिणामों में देरी सहित प्रशासनिक अथवा वित्तीय व्यवस्था से जुड़े मामलों का सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ता है उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों और शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्य सामने लाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर तीन दिनों के भीतर संतोषजनक कार्रवाई या जवाब नहीं मिलने की स्थिति में आगामी सोमवार से वे स्वयं विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे उन्होंने कहा कि आंदोलन विद्यार्थियों के अधिकार, विश्वविद्यालय प्रशासन में पारदर्शिता, समय पर परीक्षा एवं परिणाम और जवाबदेही की मांग को लेकर जारी रहेगा।

राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ अक्टूबर माह के शासकीय कार्यों का शुभारंभ



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के साथ अक्टूबर माह के शासकीय कार्यों का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे सामूहिक गायन के बाद कलेक्टर ने अधिकारियों को विभागीय कार्यों की प्राथमिकता तय करते हुए लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और कार्यालयीन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति और विभागीय जांच से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में आवश्यक कार्रवाई समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही 100 दिवस से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और संबंधित आवेदकों को की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर ने बताया कि कलेक्ट्रेट में 3 से 5 अक्टूबर तक कार्यालय स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए जांच दल का गठन किया गया है जो कार्यालयों में स्वच्छता और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेगा उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने-अपने कार्यालयों में साफ-सफाई, रिकॉर्ड के व्यवस्थित रखरखाव और कार्यस्थल की अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा उन्होंने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यालय से कार्यक्षमता बढ़ती है तथा आमजन को भी बेहतर वातावरण मिलता है इसलिए कार्यालयीन स्वच्छता को नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि समय के साथ शासकीय कार्यप्रणाली में लगातार बदलाव हो रहा है। डिजिटल माध्यमों और नई तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है ऐसे में सभी अधिकारी-कर्मचारी नई तकनीकों और डिजिटल माध्यमों की जानकारी प्राप्त कर स्वयं को अपडेट रखें।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने जारी की पदस्थापना सूची, 19,500 से 62,000 रुपए होगा वेतनमान

सीधी में चार अभ्यर्थियों को मिली अनुकंपा नियुक्ति, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र पाए गए चार अभ्यर्थियों को शासकीय सेवा में नियुक्ति दी गई है कलेक्टर विकास मिश्रा ने मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत नियुक्ति एवं पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं जिला स्तरीय समिति द्वारा प्रकरणों का परीक्षण और आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद इन अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए पात्र पाया गया। जारी आदेश के अनुसार सिद्धार्थ सिंह बघेल, पिता स्व. जनार्दन सिंह, निवासी वार्ड क्रमांक 2, बनिया कॉलोनी, सुभाष नगर, सीधी; ध्रुवेश सिंह मार्के, पिता स्व. शिव बहादुर सिंह, निवासी ग्राम कोचिला, तहसील गोपद बनास, जिला सीधी तथा सत्यम सिंह, पिता स्व. जगदीश सिंह, निवासी ग्राम थाना, तहसील जवा, जिला रीवा को कार्यालय कलेक्टर (राजस्व स्थापना), जिला सीधी में पदस्थ किया गया है इसी तरह कवि कुमार साकेत, पिता स्व. भैयालाल साकेत, निवासी ग्राम ठोंगा, पोस्ट मझौली, जिला सीधी को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सीधी में नियुक्ति दी गई है।

सातवें वेतनमान के तहत मिलेगा वेतन: चारों नवनियुक्त कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के अंतर्गत 19,500 से 62,000 रुपए के वेतनमान में रखा गया है उन्हें प्रारंभिक मूल वेतन 19,500 रुपए के साथ शासन के नियमानुसार समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा। नियुक्तियां तीन वर्ष की अस्थाई परिवीक्षा अवधि के लिए की गई हैं इसके साथ ही नियुक्ति आदेश में मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्षीय कंप्यूटर डिप्लोमा और कंप्यूटर दक्षता प्रमाणन परीक्षा (सीपीसीटी) उत्तीर्ण करने की शर्त भी निर्धारित की गई है कलेक्टर द्वारा जारी इन आदेशों से पात्र अभ्यर्थियों को शासकीय सेवा में कार्य करने का अवसर मिला है अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य दिवंगत शासकीय सेवकों के पात्र आश्रितों को निर्धारित नियमों के तहत रोजगार उपलब्ध कराकर उनके परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना है।

संपादकीय

सुरक्षा बलों में तनाव की चुनौती

जम्मू-कश्मीर स्थित कठुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की ड्यूटी पर तैनात एक हिंसक साथी द्वारा चार जवानों की हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर छिपे खतरों की डरावनी तस्वीर उकेरी है। बताया जाता है कि सीआईएसएफ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस ए.के-47 से गोलीबारी करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम दिया। बताते हैं कि इस वाकये में कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लेकर आने से शुरू हुई बहस कालांतर हिंसक टकराव में बदल गयी। विगत में भी मानसिक द्वंद्व से गुजर रहे सुरक्षा बलों के जवानों के हिंसक प्रतिरोध के मामले सामने आए हैं। ये घटना बताती है कि सुरक्षा कर्मियों से जुड़ी समस्याओं के निपटारे के लिये मजबूत सिस्टम बनाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यह घटना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में काम करने की स्थितियों पर भी प्रश्न उठाती है। दरअसल, दूर-दराज के इलाकों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से जुड़ी मुश्किलों तथा घर से लंबे समय तक दूर रहने जैसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी तनाव से गुजर रहे सुरक्षाकर्मी के व्यवहार व मानसिक स्थिति पर संवेदनशील ढंग से नजर रखने की जरूरत होती है। यह संकट इसलिए भी बड़ा है क्योंकि सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य रूप से हथियार रखना ड्यूटी का हिस्सा है। जिसके चलते मामूली विवाद के घातक रूप लेने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसका अभिप्राय यह कदापि नहीं है कि हर छोटा-मोटा विवाद हिंसक रूप में बदल ही सकता है। लेकिन ऐसे संकेतों पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत होती है ताकि किसी दुखद घटना को टाला जा सके। निस्संदेह, केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों में ऐसे दुखद हादसों को टालने हेतु, जवानों की शिकायतों के समाधान के लिये प्रभावी तंत्र और असरदार निगरानी की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों में हथियारों को लेकर सुरक्षा उपाय और आसानी से उपलब्ध मनोवैज्ञानिक मदद, बचाव की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

निस्संदेह, किसी भी सुरक्षाबल में जवानों का अनुशासित होना, अपरिहार्य शर्त है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशन के लिये जवानों का हरदम शस्त्रों से लैस होना भी लाजिमी है। ऐसे में निगरानी व किसी भी टकराव को टालने के लिये उपायों को लेकर गंभीर पहल होनी चाहिए। कुछ वर्ष पूर्व गृह मंत्रालय की एक टास्क फोर्स ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में कुछ जवानों द्वारा अपने साथियों की हत्या करने के मुख्य कारणों की पहचान की थी। जिसमें उल्लेख किया गया है कि कठोर सेवा शर्तें, छुट्टी मिलने में देरी-विशेषकर परिवार में आपात स्थिति के समय, आलोचना, उत्पीड़न पर प्रतिक्रिया तथा साथियों के अनुचित व्यवहार के कारण हिंसक प्रतिक्रियाएं बढ़ी हैं। कठुआ की घटना की जांच में भी यह पता लगाया जाना चाहिए कि क्या इस मामले में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। यह दुखद है कि कि देश के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले देश के एक प्रमुख सुरक्षा बल ने अपने चार जवानों को असमय खो दिया है। निस्संदेह, उनकी मौत के लिये जवाबदेही तय होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में किसी सशस्त्र बल के भीतर का मनमुटाव कभी इतने घातक परिणामों तक न पहुंच पाये। दरअसल, वक्त बदला है तो रोजगार के अवसर सिमटने के चलते उच्च शिक्षा हासिल युवा इन सुरक्षा बलों में भर्ती हुए हैं। जिंदगी में सुनहरे सपने लिये जब वे इन सुरक्षा बलों में आते हैं तो कठोर अनुशासन व सख्त नियमों के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। वहीं सुरक्षा बलों का ढांचा पुराने ढर्रे पर चल रहा है, जो नई पीढ़ी की बदलाव की आकांक्षाओं के साथ तालमेल बैठाता नजर नहीं आता है। फलतः जवानों की अपने अधिकारियों से अनेक मुद्दों पर वैचारिक भिन्नता हो सकती है।

अहिंसा है जीवन का सौन्दर्य एवं सृष्टि का आधार

(अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस (2 अक्टूबर 2026) पर विशेष)

देवेंद्र ब्रह्मचारी

आज दुनिया विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के जिस दौर में पहुंची है, उसी के समानांतर हिंसा, आतंकवाद, युद्ध, तनाव, असहिष्णुता और प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्तियां भी बढ़ी हैं। मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश में स्वयं अपने भीतर अशांति पैदा कर ली है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास है, समाजों में वैचारिक टकराव है, परिवारों में तनाव है और व्यक्तिगत जीवन में भी क्रोध, प्रतिशोध एवं प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में अहिंसा केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि संतुलित जीवन और शांतिपूर्ण विश्व-व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस इसी आवश्यकता की वैश्विक स्वीकृति है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया था। प्रस्ताव में अहिंसा की सार्वभौमिक प्रासंगिकता तथा शांति, सहिष्णुता, समझ और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। अहिंसा जीवन का सौंदर्य है। यह केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाने का नाम नहीं है। अहिंसा मन, वचन और कर्म की निर्मलता है। किसी के प्रति घृणा न रखना, अपमानजनक भाषा से बचना, विचारों में कटुता न पालना और अपने व्यवहार से दूसरे के मन को अनावश्यक पीड़ा न देना भी अहिंसा है। इसलिए अहिंसा संतुलित जीवन का आधार है। जहां हिंसा है वहां भय है, जहां भय है वहां तनाव है और जहां तनाव है वहां सुख एवं शांति का स्थायी निवास संभव नहीं। अहिंसा की सबसे व्यापक और सूक्ष्म व्याख्या जैन दर्शन में मिलती है। भगवान महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बनाया। जैन दर्शन में अहिंसा केवल मनुष्य को मनुष्य से बचाने का सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के अस्तित्व के सम्मान का दर्शन है। यही कारण है कि जैन साधु-साध्वियों का जीवन अहिंसा की प्रयोगशाला जैसा दिखाई देता है। जैन साधु चलते हैं तो अत्यंत सावधानी से कदम रखते हैं। वे अपने आगे के स्थान को कोमल रजोहरण से साफ करते हैं, ताकि सूक्ष्म जीवों को भी अनावश्यक चोट न पहुंचे। श्वेतांबर परंपरा में मुखवस्त्रिका का प्रयोग भी सूक्ष्म जीवों के प्रति सावधानी की इसी भावना से जुड़ा है। जैन मुनियों के आचार में चलने, बोलने, वस्तु उठाने-रखने और भोजन ग्रहण करने तक में सजगता का विशेष महत्व है। यहां अहिंसा का अर्थ केवल बाहरी हिंसा से बचना नहीं, बल्कि सजग होकर जीना है। जैन आचार में रात्रि-भोजन से बचने, भोजन और जल को जीवों की रक्षा की दृष्टि से सावधानीपूर्वक ग्रहण करने जैसी परंपराएं भी इसी सूक्ष्म अहिंसक चेतना से जुड़ी हैं। जैन साधु का जीवन हमें एक बहुत बड़ा संदेश देता है-जिस जीवन में छोटी-से-छोटी हिंसा के प्रति भी संवेदना है, उसमें बड़ी हिंसा के लिए स्थान कैसे हो सकता है? यही अहिंसा का विराट दर्शन है।

भगवान महावीर की अहिंसा की विशेषता यह है कि वह केवल हाथ की हिंसा को नहीं रोकती, बल्कि वाणी और विचार की हिंसा को भी चुनौती देती है। कटु शब्द किसी व्यक्ति के शरीर को घायल नहीं करते, लेकिन उसके मन को गहरी चोट पहुंचा सकते हैं। इसलिए अहिंसा का वास्तविक विस्तार तभी होगा जब हम अपनी भाषा को भी करुणामय बनाएं। हमारा व्यवहार ऐसा हो कि हमारे संपर्क में आने वाला व्यक्ति अपने भीतर अपमान, भय या कड़वाहट महसूस न करे। आज सोशल मीडिया के दौर में यह शिक्षा और भी महत्वपूर्ण है। एक कठोर शब्द, एक अपमानजनक टिप्पणी या एक झूठी सूचना हजारों लोगों के मन में तनाव और घृणा पैदा कर सकती है। इसलिए डिजिटल युग में अहिंसक वाणी और अहिंसक संचार की जरूरत पहले से अधिक है। यदि भगवान महावीर ने अहिंसा को आध्यात्मिक और जीवन-दर्शन के रूप में अत्यंत सूक्ष्मता प्रदान की, तो महात्मा गांधी ने उसे सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रभावी साधन बनाया। गांधी ने सत्य और अहिंसा को स्वतंत्रता संघर्ष के केंद्र में रखा। नमक सत्याग्रह सहित उनके आंदोलनों ने यह दिखाया कि अन्याय का प्रतिरोध हिंसा के बिना भी किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र भी गांधी को अहिंसा के दर्शन और रणनीति के प्रमुख प्रवर्तकों में मानता है और उनके नेतृत्व को विश्वभर के अहिंसक आंदोलनों की प्रेरणा से जोड़ता है। गांधी की अहिंसा कायरता नहीं थी। वह अन्याय के सामने चुप रहने का नाम भी नहीं थी। वह सत्य के साथ खड़े होकर अन्याय का प्रतिरोध करने की शक्ति थी। गांधी के लिए साधन और साध्य का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण था-शांतिपूर्ण समाज की स्थापना हिंसक साधनों से नहीं की जा सकती। संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज भी गांधी के विचारों को इसी संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं कि स्थायी परिवर्तन के लिए अहिंसक साधनों की आवश्यकता है।आज युद्ध और आतंकवाद ने मानवता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। राष्ट्रों के पास विनाश के पहले से अधिक शक्तिशाली साधन हैं। तकनीक ने युद्ध की क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे समय में अहिंसा का अर्थ यह नहीं कि समाज अपनी सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी छोड़ दे। आतंकवाद और हिंसा का सामना करते हुए राष्ट्रों को नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही होती है। लेकिन दीर्घकालीन शांति केवल शक्ति-संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास, न्याय, सह-अस्तित्व और मानवीय संवेदना से निर्मित होती है। भारत की सभ्यता ने सदियों से वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः, अनेकांत और सर्वधर्म सद्भाव जैसी अवधारणाओं के माध्यम से इसी व्यापक दृष्टि को पोषित किया है। ये विचार हमें बताते हैं कि दूसरे की दृष्टि को समझे बिना स्थायी शांति संभव नहीं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी शांति और संवाद की आवश्यकता को लगातार रेखांकित किया है। भारत के वर्तमान नेतृत्व ने भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और मानव-केंद्रित विकास जैसे विचारों को सामने रखा है। लेकिन अहिंसा का वैश्विक संदेश केवल सरकारों या राजनेताओं का दायित्व नहीं है। इसकी शुरुआत व्यक्ति से होती है-परिवार से, विद्यालय से, समाज से और हमारी रोजमर्रा की भाषा एवं व्यवहार से। आज मनुष्य को बाहर की हिंसा से जितना खतरा है, उतना ही भीतर की हिंसा से भी है। क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार, लोभ और प्रतिशोध मनुष्य के भीतर निरंतर संघर्ष पैदा करते हैं। इसलिए अहिंसा का पहला प्रयोग अपने भीतर होना चाहिए। अपने क्रोध को करुणा में, प्रतिस्पर्धा को सहयोग में, प्रतिशोध को क्षमा में और असहमति को संवाद में बदलना ही आधुनिक अहिंसा है। परिवार में अहिंसा का अर्थ है-एक-दूसरे को समझना। समाज में अहिंसा का अर्थ है-विविधताओं का सम्मान करना। राजनीति में अहिंसा का अर्थ है-विचारों के संघर्ष को शत्रुता में न बदलना। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अहिंसा का अर्थ है-संवाद और कूटनीति के रास्ते खुले रखना। अहिंसा कमजोरी नहीं, संयमित शक्ति है। हिंसा तत्काल परिणाम दे सकती है, लेकिन स्थायी शांति का निर्माण नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्र ने भी गांधी के संदर्भ में इस विचार को रेखांकित किया है कि हिंसा पर स्थायी निर्माण संभव नहीं है।

आज जब दुनिया हिंसा की बढ़ती प्रवृत्तियों से चिंतित है, तब भारत की धरती से एक बार फिर यह संदेश मुखर होना चाहिए-अहिंसा केवल भारत की विरासत नहीं, संपूर्ण मानवता का भविष्य है। महावीर की करुणा और गांधी के सत्याग्रह की रोशनी में यदि मनुष्य अपने विचार, वाणी और व्यवहार को बदल सके, तो युद्ध की मानसिकता के स्थान पर संवाद, घृणा के स्थान पर मैत्री और संघर्ष के स्थान पर सह-अस्तित्व की नई विश्व-संरचना संभव है। यही अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की सार्थकता है और यही मानवता के शांत, संतुलित एवं सुंदर भविष्य की दिशा भी। अहिंसा के इस व्यापक संदेश को समाज के बीच जीवंत बनाने में महावीरायतन फाउंडेशन की भूमिका भी उल्लेखनीय है। महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा अहिंसा, करुणा, शाकाहार, जीव-दया, पर्यावरण-संरक्षण, प्राणीमात्र के प्रति संवेदना तथा मानवीय मूल्यों को केंद्र में रखकर विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक प्रवृत्तियां संचालित की जाती हैं और संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं संवाद-कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा-दर्शन को समकालीन जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। मेरे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने भी अपने संपूर्ण जीवन से अहिंसक, संयमित और करुणामय जीवनशैली की प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि महावीर की सूक्ष्म अहिंसा, गांधी के अहिंसा दर्शन और आचार्य विद्यासागर जी महाराज की जीवन-साधना से प्रेरणा लेकर अहिंसा को व्यक्तिगत आचरण से सामाजिक संस्कार और सामाजिक संस्कार से वैश्विक जीवन-दृष्टि बनाया जाए।

आज का इतिहास

1492 - ब्रिटेन के किंग हेनरी सप्तम ने फ्रांस पर आक्रमण किया था.

1864 - अमेरिकी गृहयुद्धः साल्टविले की लड़ाईः यूनियन बलों ने साल्टविले, वर्जीनिया पर हमला किया, लेकिन संघीय सैनिकों द्वारा पराजित किया गया था.

1925 - जॉन लॉगी बेयरड ने एक कार्यकारी टेलीविजन प्रणाली का पहला परीक्षण किया था.

1928 - होली क्रॉस एंड द वर्क ऑफ गॉड का प्रक्षेपण, जिसे आमतौर पर ओपस देई के नाम से जाना जाता है, की स्थापना जोसेमेरिया एस्क्रवा ने की थी.

1944 - द्वितीय विश्व युद्धः जर्मन ने सैनिक वारसॉ विद्रोह को समाप्त किया था.

1949 - सोवियत संघ ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता दी जिसे पिछले दिन माओ ज़ेडोंग ने घोषित किया था.

1950 - चार्ल्स एम शूलज़ द्वारा मूंगफली पहले प्रकाशित हुई थी.

1951 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी.

1952 - सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी.

1958 - गिनी फ्रांस से अपनी आजादी की घोषणा की थी.

1961 - बम्बई (अब मुंबई) में शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया का गठन हुआ था.

1967 - थर्गूड मार्शल ने संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के पहले अफ्रीकी-अमेरिकी न्याय के रूप में शपथ ली थी.

1968 - मैक्सिकन राष्ट्रपति गुस्तावो डीआज ओरदाज ने 1968 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शुरू होने से दस दिन पहले निर्बाध छात्रों के प्रदर्शन को दबाने के लिए सैनिकों को आदेश दिया था.

1970 - विचिटा स्टेट यूनिवर्सिटी फुटबॉल टीम, प्रशासकों और समर्थकों को ले जाने वाला एक विमान कोलोराडो में 31 लोगों की मौत हो गई थी. 1988 - कोरिया के सिओल में 24वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ था. 1992 - जेल दंगा के बाद ब्राजील के साओ पाउलो में सैन्य पुलिस तूफान कैरंडिरू पेनिटेंटिअरी परिणामी नरसंहार 111 कैदियों की मौत हो गई थी. 1996 - अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा सूचना अधिनियम संशोधन की इलेक्ट्रॉनिक स्वतंत्रता पर हस्ताक्षर किए गए थे.।

2 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में होंगी ग्रामसभाएं, नागरिक करेंगे मन की बात

जिन्हें कंधों पर बस्ता संभालना था, वे स्कूलों की बदहाल व्यवस्था का बोझ उठाने और उसे दुरुस्त करने की मांग को लेकर सड़क पर उतर आएं, तो यह सवाल व्यवस्था में ऊंची कुर्सियों पर बैठे उन जिम्मेदारों से पूछा जाना चाहिए कि बच्चों को ऐसा क्यों करना पड़ा?

सुनील कुमार गुप्ता



अब बारी गांव के बड़ों की है। इस बार 2 अक्टूबर को ग्राम सभा की बैठक में जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर सूत की माला चढ़ाई जाए, तो वहां बैठक केवल नाली, खड़ंजे और राशन की घिसी-पिटी सूची न पढ़ी जाए। इस बार स्कूल की हाजिरी ली जाए, आंगनवाड़ी की हाजिरी ली जाए और सबसे बढ़कर हमारे बच्चों के बुनियादी अधिकारों की हाजिरी ली जाए। क्योंकि जिस दिन गांव की ग्रामसभा अपने बच्चों के स्कूल और आंगनवाड़ी का हिसाब मांगना शुरू कर देती है, तो यह मान लीजिए कि उस दिन विकास महज़ एक बेजान सरकारी बजट नहीं रह जाता, गांव और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए एक वादा बन जाता है।

स्कूल जाने की उम्र के बच्चों को आमतौर पर हम जुलूस निकालते या नारे लगाते हुए नहीं देखते। हम चाहते हैं कि उनके नन्हे हाथों में किताबें होनी चाहिए, विरोध के पोस्टर नहीं, उन्हें स्कूल की खिलखिलाती कक्षा में बैठना चाहिए, तपती सड़क पर नहीं, लेकिन इस साल के बीते महीनों में देश के कोने-कोने से आई तस्वीरों ने हमारी समूची शिक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक संवेदनहीनता और सामाजिक चेतना के गाल पर एक जोरदार तमाचा जड़ दिया। जब स्कूल में सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए पानी और बैठने के लिए महफ़ूज़ छत न हो, तो क्या बच्चे घुट-घुट कर चुप रहें? उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से लेकर मध्यप्रदेश की गलियों तक इन नौनिहालों ने सड़क पर खड़े होकर स्कूलों की जर्जर, बदहाली से भरी पूरी व्यवस्था को एक कड़वा सच सिखा और दिखा दिया है कि बच्चे छोटे हो सकते हैं, लेकिन अपनी जिंदगी से जुड़े उनके सवाल छोटे नहीं होते। जरा सोचिए कि जिन्हें पढ़ना था, उन्हें स्कूल बचाने के लिए हाथों में तख्तियां लेकर, अपने दर्द से भरे नारे लगाते सड़क पर उतरना पड़ा। प्राचार्य, विभाग के अफसरों से लेकर कलेक्टर तक को घेरना पड़ा। नतीजा, कई जगहों पर व्यवस्थाएं सुधर गई, कई जगह सुधरने की राह पर चल पड़ीं।

ऐसा लगा जैसे-पूरे देश में स्कूल ठीक करने के लिए बच्चे सड़क पर उतर पड़े। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर, बिहार के गया, जयपुर के दिव्यांग विद्यार्थियों छत्तीसगढ़ के दुर्ग से लेकर तमिलनाडु के कोयंबटूर तक जुलाई और अगस्त के महीनों में कम-से-कम 10 राज्यों और 25 जिलों में स्कूली बच्चों के कई प्रदर्शन दर्ज हुए। यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं था। यह पीढ़ी, जेन जी नही थी, बल्कि जेन अल्फा कहलाने वाले बच्चों की पुकार थी, जो अब बदहाल व्यवस्था को चुपचाप सहने के मूड में नहीं है। मध्यप्रदेश की तस्वीर भी पूरे देश की तस्वीर से अलग नहीं थी। मध्यप्रदेश में भी बच्चे पूछ रहे हैं कि हमारे स्कूल का फैसला हमारे बिना क्यों? अगस्त 2026 में विदिशा के सिरोंज में छात्राओं ने स्कूल आने-जाने वाली बसों का किराया अचानक बढ़ाए जाने का विरोध किया और प्रशासन को किराया बहाल करने पर मजबूर किया। उज्जैन में 300 से अधिक छात्राओं ने सरकारी स्कूल को शहर से 6 से 10 किलोमीटर दूर सांदीपनि विद्यालय में मिलाने के फैसले के खिलाफ मोर्चा खोला। छात्राओं का सवाल सीधा और वाजिब था कि इतनी दूर हम कैसे जाएंगे? हमारी सुरक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति का क्या? भोपाल में 400 विद्यार्थियों ने अपने स्कूल को केंद्रीय विद्यालय संगठन में विलीन करने के प्रस्ताव के खिलाफ आवाज उठाई।

सरकारी आंकड़े और जमीन का सच

अगर कोई सोचता है कि बच्चे अकारण शिकायत कर रहे हैं, तो उसे सरकार के अपने आंकड़े देख लेने चाहिए। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफारमेशन सिस्टम फार एजुकेशन प्लस यानी यूडीआईएसई प्लस 2025-26 के अनुसार, मध्यप्रदेश में 1,19,694 स्कूल हैं। राज्य में स्कूलों की संख्या 2024-25 के 1,22,120 से घटकर 2025-26 में 1,19,694 रह गई, यानी एक साल में 2,426 स्कूल कम हो गए। हालांकि एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या में सुधार हुआ है, फिर भी राज्य में 2,269 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक के भरोसे पूरी पढ़ाई टिकी है। इन स्कूलों में 62,151 बच्चों का भविष्य दांव पर है। बुनियादी सुविधाओं की बात करें तो मध्यप्रदेश के हजारों स्कूलों में बिजली नहीं है। लड़कियों के लिए और लड़कों के लिए शौचालयों की स्थिति खराब है, जो राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। तमाम कारणों और बदइंतजामियों के चलते बच्चे स्कूल छोड़ रहे हैं। मप्र की विधानसभा में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने या कहें नामांकन में गिरावट का सबसे बड़ा झटका प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को लगा है, जहां पिछले 6 सालों में 25.40 लाख बच्चों का नामांकन कम हुआ है। प्राथमिक विद्यालयो का ताना-बाना बिखर रहा है और पिछले 10 सालों में सरकारी प्राथमिक स्कूलों की संख्या 1 लाख 14237 से घटकर 81,663 पर आ गई है।

यहां भी सवाल केवल यह नहीं है कि क्या शौचालय या नल बना है, बल्कि सवाल यह है कि क्या शौचालय सचमुच चालू और साफ है? क्या नल में रोज पानी आता है? क्या बिजली का कनेक्शन है तो पंखा चलता भी है? क्या स्कूल की इमारत में बैठना बच्चों के लिए सुरक्षित है?

आंगनवाड़ी से शुरू होती है स्कूल की नींव

शिक्षा की कहानी पहली कक्षा से शुरू नहीं होती, वह आंगनवाड़ी के आंगन से शुरू होती है। मध्यप्रदेश में लगभग 97 हजार आंगनवाड़ी केंद्र हैं। वर्ष 2026 में कैग (ছत्र) की प्रदर्शन लेखापरीक्षा रिपोर्ट ने आंगनवाड़ी व्यवस्था की कई गंभीर कमियों को उजागर किया। 54,903 जांच में किए गए गांवों/वार्डों में से 8,842 (लगभग 16%) ऐसे पाए गए, जहां जनसंख्या के मानकों के अनुसार आंगनवाड़ी केंद्र उपलब्ध ही नहीं थे। यदि आंगनवाड़ी में बच्चे को पोषण, सुरक्षा और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा की सही नींव नहीं मिलेगी, तो स्कूल पहुंचकर वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दौड़ में पहले ही पिछड़ जाएगा।

ग्रामसभा सभा क्या कर सकती है

गांधी का 'ग्राम स्वराज' केवल पंचायत भवन का ढांचा खड़ा करने का नाम नहीं था। उसका मूल अर्थ था कि गांव अपने जीवन, अपने बच्चों और अपने भविष्य का फैसला खुद करे। मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 7 ग्रामसभा को अपार शक्तियां देती है। ग्रामसभा को गांव की विकास योजनाओं की प्राथमिकता तय करने, बजट और लेखा-परीक्षा पर विचार करने, निर्माण कार्यों की निगरानी करने और सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं व कार्यकर्ताओं पर नियंत्रण रखने का वैधानिक अधिकार है।

इसके साथ ही, केंद्र सरकार का 'पीपुल्स प्लान कैम्पेन यानी जनयोजना अभियान' हर 2 अक्टूबर गांधी जयंती से शुरू होकर 31 जनवरी तक चलता है, जिसके तहत ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार की जाती है। इसका अर्थ यह है कि 2 अक्टूबर की ग्रामसभा केवल औपचारिक बैठक नहीं है, यह अपने स्कूल और आंगनवाड़ी की ज़रूरतों को गांव की आधिकारिक विकास-योजना में दर्ज कराने का सबसे बड़ा अवसर है। अगस्त 2026 में पूरे देश में नागरिक समाज द्वारा स्कूल ठीक करो अभियान की शुरुआत भी इसी चेतना के तहत हुई, जहां आम नागरिक अपने-अपने गांव के स्कूलों का ऑडिट कर रहे हैं। इस 2 अक्टूबर को यदि गांव की ग्रामसभाएं अपने स्कूलों और आंगनवाड़ियों की हाजिरी लेना शुरू कर दें, तो बच्चों को सड़कों पर प्रदर्शन करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी।

ग्राम सभा में आप क्या कर सकते हैं

ग्रामसभा में आप केवल सवाल पूछें ही नहीं, बल्कि उसे ग्रामसभा की कार्यवाही में दर्ज भी कराइए।इससे वह वैधानिक दस्तावेज बन जाएगा। ग्राम सभा में आप शिक्षकों की स्थिति, नामांकन और ड्रॉप आउट की स्थिति जान सकते है। बुनियादी ढांचा कैसा है, क्या पानी बिजली और शौचालय सचमुच चालू हैं या सिर्फ फाइलों में चालू हैं? क्या बालिकाओं के लिए साफ सुरक्षित शौचालय उपलब्ध है? क्या स्कूल या आंगनवाड़ी का कोई कमरा या बाउंड्रीवाल जर्जर है? यदि मरम्मत की ज़रूरत है, तो इसका प्रस्ताव कब भेजा गया? क्या पुस्तकालय, खेल सामग्री और कंप्यूटर, स्मार्ट क्लास वास्तव में बच्चों के इस्तेमाल में आ रहे हैं या ताले में बंद हैं? आंगनवाड़ी में बच्चों को पोषण, वजन-माप, खेल सामग्री और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा कैसी मिल रही है? क्या गांव का हर बच्चा, विशेषकर बालिकाएं और दिव्यांग बच्चे बिना किसी डर, दूरी या सड़क की बाधा के स्कूल पहुंच पा रहा है? आप बजट और खर्च का हिसाब पूछ सकते हैं। स्कूल के प्राचार्य, शिक्षा विभाग, बिजली और स्वास्थ्य विभाग आदि जिम्मेदार विभागों के अफसरों को ग्रामसभा में बुलाकर उनसे सवाल किया जा सकता है। ग्रामसभा में नागरिक बदइंतजामियों के कारण पूछ स है। असंतुष्ट होने पर उनके खिलाफ प्रस्ताव पारित कर सकती है। विभाग प्रमुखों से पत्राचार कर सकती है ।

आज का राशिफल

मेष- लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष- आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन- पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-5-7

कर्क- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह- संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर नजर रखिए। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला- जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक- परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु- घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर- भावुकतावश निर्णय न लें। मन में चंचलता बढ़ेगी। कर्ज देने से बचें। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ- सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन- आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने और मारपीट का आरोप, पति समेत तीन पर FIR

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति, सास और ससुर पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है पीड़िता तन्नू पटेल (26) के मुताबिक, वर्ष 2023 में उसकी शादी विनीत सुता के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के बाद वह सतनामी पारा में पति और सास-ससुर के साथ रहने लगी। महिला का आरोप है कि पति विनीत, सास निवेदिता और ससुर अजय उस पर लगातार धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे थे शिकायत के अनुसार, 27 सितंबर की रात करीब 8 बजे खाना खाते समय फिर धर्म बदलने को कहा गया इनकार करने पर तीनों ने कथित तौर पर लात-घूंसों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी महिला ने आरोप लगाया कि उसके ससुर ने धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से शादी करवाने की बात कही थी।

चिरमिरी जिला अस्पताल में शुरू हुई सीटी स्कैन सुविधा, मरीजों को मिलेगी राहत

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया शुभारंभ, करीब 8 करोड़ की लागत से स्थापित मशीन जन्मदिन पर मरीजों को बांटे फल



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी के जिला अस्पताल में अब मरीजों को सीटी स्कैन जांच की सुविधा मिल सकेगी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने गुरुवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर अस्पताल में करीब 8 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित सीटी स्कैन मशीन का शुभारंभ किया इस सुविधा के शुरू होने से मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के मरीजों को जांच के लिए दूसरे शहरों और निजी अस्पतालों के चक्कर लगाने से काफी हद तक राहत मिलेगी अब तक गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों में सीटी स्कैन जांच के लिए मरीजों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता था। इसमें मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त खर्च के साथ समय की भी परेशानी उठानी पड़ती थी। जिला अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से स्थानीय स्तर पर ही जांच संभव हो सकेगी। इससे गंभीर मरीजों की बीमारी का समय पर पता लगाने और उपचार की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने जन्मदिन को सेवा के रूप में मनाते हुए जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात की उन्होंने मरीजों का हालचाल जाना और उन्हें फल वितरित किए इस दौरान अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं को लेकर भी चर्चा हुई सीटी स्कैन मशीन के शुभारंभ के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिरमिरी कोयला उत्पादन के लिए देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है इस क्षेत्र ने लंबे समय तक देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ऐसे क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना भी जरूरी है उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जिला अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा की शुरुआत को एमसीबी जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है इससे चिरमिरी सहित आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मरीजों को लाभ मिलने की उम्मीद है हालांकि मरीजों को इस सुविधा का लाभ किस प्रक्रिया और दर पर मिलेगा, इसकी विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही इसका पूरा स्वरूप स्पष्ट होगा।



सेवा संकल्प अभियान के तहत एमसीबी में तीन जिला स्तरीय शिविरों का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में तीन जिला स्तरीय शिविरों का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 अक्टूबर को खड़गवां, 5 अक्टूबर को मनेन्द्रगढ़ और 7 अक्टूबर को भरतपुर विकासखंड में जिला स्तरीय शिविर आयोजित होंगे शिविरों के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा अधिकारियों एवं विभागों की जिम्मेदारियां निर्धारित करते हुए आवश्यक तैयारियां तेज कर दी गई हैं छत्तीसगढ़ शासन जनसंपर्क विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा तीनों विकासखंडों में शिविरों की तिथि एवं स्थल निर्धारित करने के साथ प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है खड़गवां में 4 अक्टूबर को पहला शिविर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 अक्टूबर को जनपद पंचायत खड़गवां मैदान में जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया जाएगा इसके प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खड़गवां विजयेंद्र सिंह सारथी तथा सहायक प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खड़गवां रूपेश बंजारे होंगे। इसी प्रकार 5 अक्टूबर को स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान मनेन्द्रगढ़ में शिविर आयोजित होगा। इसके प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेन्द्रगढ़ लिंगराज सिदार तथा सहायक प्रभारी अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह होंगी। वहीं 7 अक्टूबर को भरतपुर विकासखंड के इन्द्रप्रस्थ स्टेडियम जनकपुर में शिविर आयोजित किया जाएगा इसके प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भरतपुर शशि शेखर मिश्रा तथा सहायक प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भरतपुर अजय कुमार राठौर होंगे एक दिन पहले पूरी करनी होगी स्टॉल एवं साज-सज्जा की तैयारी जिला स्तरीय शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनके लिए स्थान का आबंटन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा किया जाएगा। विभागों को अपने निर्धारित स्टॉल पर बैनर-पोस्टर, विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदर्शित करने के साथ आवश्यक साज-सज्जा की व्यवस्था शिविर से एक दिन पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सेवा संकल्प से किसानों को संबल, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि बनी उपेन्द्र सिंह की खेती का सहारा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के ग्रामीणों और किसानों तक पहुंच रहा है इन्हीं योजनाओं में शामिल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को खेती-किसानी की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक संबल प्रदान कर रही है ग्राम पंचायत कदरेवा, विकासखंड खड़गवां निवासी किसान उपेन्द्र सिंह भी इस योजना का लाभ लेकर अपनी कृषि गतिविधियों को सुचारू रूप से आगे बढ़ा रहे हैं उपेन्द्र सिंह बताते हैं कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत उन्हें प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये



की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है इस राशि का उपयोग वे खेती के लिए आवश्यक खाद, बीज, कीटनाशक एवं अन्य कृषि सामग्री की खरीदी में करते हैं योजना से मिलने वाली सहायता के कारण उन्हें कृषि कार्य के समय जरूरी सामग्री जुटाने में आर्थिक सहयोग मिलता है और खेती से जुड़े खर्चों को पूरा करने में सुविधा होती है उपेन्द्र सिंह का कहना है कि खेती में सही समय पर खाद, बीज और कीटनाशक की उपलब्धता बेहद जरूरी होती है ऐसे में किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है वे इस सहायता राशि का उपयोग सीधे खेती की जरूरतों में करते हैं जिससे कृषि कार्यों को समय पर और व्यवस्थित ढंग से पूरा करने में मदद मिलती है उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचने से उन्हें आर्थिक संबल मिल रहा है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं खेती-किसानी की आवश्यकताओं को पूरा करने में किसानों के लिए मददगार साबित हो रही हैं उपेन्द्र सिंह ने योजना से मिल रहे लाभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति से तुलेश्वरी के बच्चे की पढ़ाई को मिला सहारा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना ऐसे परिवारों के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बन रही है योजना से लाभान्वित तुलेश्वरी के बच्चे को भी पढ़ाई जारी रखने के लिए 2 हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिली है तुलेश्वरी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं सीमित आय में घर की जरूरतों के साथ बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना उनके लिए आसान नहीं होता। ऐसे में मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें राहत दी है। छात्रवृत्ति की राशि का उपयोग बच्चे की पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाएगा तुलेश्वरी बताती हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई जारी रखे और आगे बढ़े, यही उनकी सबसे बड़ी इच्छा है छात्रवृत्ति के रूप में मिली 2 हजार रुपये की सहायता से शिक्षा संबंधी खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी और परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कुछ कम होगा उन्होंने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए इस तरह की सहायता उपयोगी है इससे आर्थिक कठिनाइयों के बीच भी बच्चों को अपनी पढ़ाई जारी रखने का प्रोत्साहन मिलता है योजना का लाभ मिलने पर तुलेश्वरी ने मुख्यमंत्री एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

धानमंत्री किसान सम्मान निधि से खेती-किसानी को मिल रहा संबल

किसान सम्मान निधि की राशि से खाद, बीज और खेती की अन्य जरूरतें पूरी करने में मिल रही मदद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों और उन्हें मिल रहे लाभ की कहानियां सामने लाई जा रही हैं इसी क्रम में ग्राम भल्लौर निवासी किसान प्रमोद कुमार जायसवाल की कहानी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से खेती-किसानी में मिल रहे आर्थिक सहयोग को दर्शाती है किसान प्रमोद कुमार जायसवाल खेती के माध्यम से अपने परिवार की आजीविका चलाते हैं कृषि कार्यों में समय-समय पर खाद, बीज एवं अन्य आवश्यक सामग्री



की जरूरत पड़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता खेती की इन आवश्यकताओं को पूरा करने में उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। योजना के माध्यम से मिलने वाली यह राशि किसानों को कृषि संबंधी आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करती है प्रमोद कुमार जायसवाल बताते हैं कि उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का नियमित लाभ मिल रहा है योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे खाद, बीज सहित खेती-किसानी से जुड़ी अन्य जरूरी सामग्री की खरीदी में करते हैं इससे कृषि कार्य के दौरान आवश्यक सामग्री जुटाने में उन्हें आर्थिक सहायता मिलती है समय पर मिलने वाली राशि से कृषि कार्य में मिलती है।

जिले में व्यापक स्तर पर आयोजित हुआ स्वच्छता श्रमदान सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में एक साथ एक घंटे किया गया श्रमदान

विद्यालयीन बच्चों ने समझी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया, स्वच्छता गतिविधियों से दिया जनभागीदारी का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के दिशा-निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में सशक्त एमसीबीदूसेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में स्वच्छता गतिविधियां व्यापक स्तर पर संचालित की जा रही हैं इसी क्रम में 'स्वच्छता ही सेवा के तहत 01 अक्टूबर को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में एक साथ एक घंटे के स्वच्छता श्रमदान का आयोजन किया गया जनप्रतिनिधियों ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया जिले में 17 सितंबर से नियमित रूप से स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों, बाजार परिसरों, बस स्टैंड, अटल चौक तथा



गांवों के प्रमुख चौक-चौराहों पर सामूहिक श्रमदान कर साफ-सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य केवल सार्वजनिक स्थलों की सफाई तक सीमित न रखते हुए लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित करना है पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर भी चला स्वच्छता अभियान विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भी जिले के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता श्रमदान का आयोजन किया गया स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने इन स्थलों की साफ-सफाई कर स्वच्छ परिवेश, स्वस्थ जीवन और समृद्ध जीवन का संदेश दिया इसी कड़ी में एक अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में आयोजित एक घंटे के सामूहिक श्रमदान के माध्यम से ग्रामीणों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की अपील की गई अभियान में जिला पंचायत सदस्य उजीत नारायण सिंह, सहित जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्यों, सरपंचों, पंचों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए श्रमदान किया विद्यार्थियों ने जानी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया स्वच्छता अभियान के अंतर्गत माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक प्रबंधन इकाई चनवारीडांड का भ्रमण किया यहां विद्यार्थियों को प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण, पृथक्करण एवं प्रबंधन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के उचित प्रबंधन और पुनर्चक्रण की प्रक्रिया से भी उन्हें अवगत कराया गया अभियान के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छ भारत-स्वच्छ पर्यावरण विषय पर आयोजित ड्राइंग, पेंटिंग एवं भाषण जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से आम नागरिकों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता अपनाने, अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता अभियान में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने का संदेश दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम बरबसपुर में 'नमो सेवा गाथा' की आकर्षक प्रस्तुति

ग्राम बंजी के कलाकारों ने लोककला के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम बरबसपुर में नमो सेवा गाथा का आयोजन किया गया कार्यक्रम में ग्राम बंजी के कलाकारों ने लोककला, गीत-संगीत एवं संवाद के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और अभियानों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं कलाकारों ने सरल एवं रोचक अंदाज में योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ने और पात्रतानुसार उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित नमो सेवा गाथा में शासन की उन योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रमुखता से शामिल किया गया, जिनका सीधा संबंध महिलाओं के



आर्थिक सशक्तिकरण, ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका, आवास, पेयजल, सड़क, बालिका शिक्षा, बचत, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से है कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को इन योजनाओं के उद्देश्यों एवं उनसे मिलने वाले लाभ की जानकारी दी महतारी वंदन से ग्रामीण आजीविका तक योजनाओं की दी जानकारी कलाकारों ने महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिल रहे आर्थिक सहयोग को अपनी प्रस्तुति में शामिल किया इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों से संबंधित विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के बारे में भी प्रस्तुति दी गई इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों के पक्के आवास के सपने, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की बेहतर सड़क कनेक्टिविटी तथा नल-जल योजना के माध्यम से घरों तक पेयजल पहुंचाने के प्रयासों को लोककला के माध्यम से ग्रामीणों के सामने रखा गया नमो सेवा गाथा में सुकन्या समृद्धि योजना एवं सरस्वती साइकिल योजना को भी शामिल किया गया।कलाकारों ने बालिकाओं की शिक्षा, उनके भविष्य के लिए बचत और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने से जुड़े संदेशों को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचाया इसके साथ ही अमृत सरोवर के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन तथा 'एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण का संदेश दिया गया।

पिछोर में पहली बार मना सास-बहू दिवस, तिलक लगाकर बहुओं को दिए गुलाब और उपहार

सास-बहुओं ने गले मिलकर दिया प्रेम और सौहार्द का संदेश, आपसी समझ और पारिवारिक सामंजस्य बनाए रखने का लिया संकल्प



मीडिया ऑडीटर, *शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर में गुरुवार को पहली बार सास-बहू दिवस के अवसर पर अनोखे सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पिछोर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सास और बहुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस दौरान सास ने बहुओं का तिलक लगाकर, गुलाब का फूल और उपहार भेंट कर सम्मान किया वहीं सास-बहुओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर परिवार में प्रेम, विश्वास और आपसी सामंजस्य बनाए रखने का संदेश दिया कार्यक्रम का उद्देश्य परिवारों में सास और बहू के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना और रिश्तों में आने वाली दूरियों को कम करना रहा आयोजन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि परिवार की मजबूती में सास और बहू दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है दोनों के बीच बेहतर तालमेल और संवाद से परिवार का वातावरण सुखद बनाया जा सकता है कई बार छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्तों में मनमुटाव पैदा हो जाता है जिसे आपसी बातचीत, सम्मान और समझदारी से दूर किया जा सकता है कार्यक्रम में सास-बहुओं के बीच आत्मीयता और अपनापन देखने को मिला सास ने बहुओं को तिलक लगाकर गुलाब और उपहार दिए इस पहल ने पारंपरिक रिश्ते में सम्मान और स्नेह का नया संदेश दिया। महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा किए और पारिवारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की। इस दौरान सभी ने रिश्तों में प्रेम, धैर्य और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया आयोजकों ने बताया कि 1 अक्टूबर को बहुयनी दिवस के रूप में मनाने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कई स्थानों पर सास-बहू दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी पहल के तहत पिछोर में पहली बार यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई और इसे पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास बताया कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी एवं महिला मोर्चा विमुक्त, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु जनजाति महासंघ की जिला अध्यक्ष किरण पाल (पिछोर) के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रीति पाल ने की आयोजन को सफल बनाने में जूली जाटव, ममता बंशकार, रानी पाल, रानी जाटव, पूजा लोधी, भारती लोधी, शिवानी लोधी, पुष्पा पाल, सूरज पाल और अखिलेश पाल सहित अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कूटी सवारों को टक्कर मारकर हाईवे पर पलटा कंटेनर चालक केबिन में फंसा, पुलिस ने निकाला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के देहात थाना क्षेत्र में सैया होटल के पास एनएच-46 पर गुरुवार को रॉन्ग साइड से आ रहे एक कंटेनर ने सामने से आ रही इलेक्ट्रिक स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी हादसे में स्कूटी सवार दो ममेरे भाई घायल हो गए। टक्कर के बाद कंटेनर भी सड़क पर पलट गया, जिसमें उसका चालक केबिन में फंस गया मौके पर मौजूद लोगों ने मशक्कत कर चालक को बाहर निकाला तीनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया जानकारी के अनुसार देहदरदा सड़क निवासी राजेश रघुवंशी (55) अपने बुआ के बेटे रघुवीर रघुवंशी (56), निवासी डोडयाई, के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटी से शिवपुरी आ रहे थे। सैया होटल के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे कंटेनर ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी राजेश के मुताबिक कंटेनर चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से रॉन्ग साइड पर कंटेनर चला रहा था। अचानक सामने से आए कंटेनर की टक्कर से दोनों स्कूटी समेत सड़क पर गिर गए हादसे में रघुवीर को शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं, जबकि राजेश को भी चोट लगी दुर्घटना में स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई पुलिस ने कंटेनर चालक के FIR दर्ज की बताया जा रहा है कि कंटेनर चालक होटल पर खाना खाने के बाद सड़क की दूसरी ओर जाने के लिए रॉन्ग साइड से कंटेनर निकाल रहा था इसी दौरान यह हादसा हुआ टक्कर के बाद कंटेनर पलट गया और चालक केबिन में फंस गया था, जिसे स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला।

संक्षिप्त समाचार

बाइक चोरी का खुलासा, 3 बाइक बरामद:दो आरोपी गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर, अशोकनगर (निप्र)। अशोकनगर देहात थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कुछ ही समय में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर अशोकनगर, ईसागढ़ और शाढ़ौरा से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। 29 सितंबर को पिपरई निवासी अंकित जैन की स्प्लेंडर (MP67ME8706) नया बस स्टैंड से चोरी हुई थी। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी फैजान उर्फ सलमान (26), करैया हाट, विदिशा को पकड़ा। उसके पास से चोरी की स्प्लेंडर बाइक मिली। पूछताछ में फैजान ने ईसागढ़ और शाढ़ौरा से चोरी की दो अन्य मोटरसाइकिलों की जानकारी दी, जिन्हें बरामद किया गया। ईसागढ़ से चोरी हुई एचएफ डीलक्स (MP67MF7164) फैजान ने गंज बासौदा, विदिशा के मनोज विश्वकर्मा (39) को बेची थी। पुलिस ने मनोज को भी गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) और 317(2) के तहत कार्रवाई कर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया।

जिला अस्पताल के सफाई कर्मी पर तलवार से हमला

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिला मुख्यालय की राजा बाबू कॉलोनी में जिला अस्पताल के सफाई कर्मी गौरव बाल्मीकि पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। युवकों ने गौरव के साथ मारपीट की और धारदार हथियार (तलवार) से उनके सिर पर वार किया। घायल गौरव को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरव बाल्मीकि के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब वह ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। रास्ते में नीतेश बाल्मीकि नाम का युवक मिला और बातचीत करने लगा। इसी दौरान नीतेश के साथ आए 8 से 10 युवकों ने पीछे से गौरव पर हमला कर दिया।

सीहोर में बाइक सवार युवक पर जानलेवा हमला

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम मुगीसपुर में दिनदहाड़े एक बाइक सवार युवक को रोककर हमला करने का मामला सामने आया है। अचानक हुए हमले से घबराया युवक अपनी बाइक मौके पर छोड़कर जान बचाने के लिए भाग गया। इसके बाद हमलावरों ने सड़क पर पड़ी बाइक पर ही लाठियों से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घटना के दौरान सड़क पर कई लोग मौजूद थे, लेकिन हमलावरों के डर से किसी ने उन्हें रोकने की हिम्मत नहीं की। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग सड़क पर गिरी बाइक को लाठियों से पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शुरू की कार्रवाई घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई।

सेंट्रल स्कूल क्वार्टर में चोरी केस में 5 गिरफ्तार,पॉश इलाकों में क्रेटा कार से घूमकर करते थे रेकी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा शहर के पॉश इलाकों और कॉलोनियों में कार से घूमकर बंद मकानों की रेकी करने वाले अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। गिरोह के सदस्य मौका मिलते ही ताले तोड़कर घरों में चोरी करते थे। कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 20 लाख रुपए का मशरूका बरामद किया गया है। इसमें करीब 3 लाख रुपए नकद, 9 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर और वारदात में इस्तेमाल क्रेटा कार शामिल है। मामले में एक आरोपी अभी फरार है।

क्रेटा से कॉलोनियों में घूमकर बंद मकान तलाशते थे: CSP अभिनव बारंगे के अनुसार आरोपी ऐसे इलाकों को निशाना बनाते थे, जहां लोगों की आवाजाही अधिक रहती है और बाहर से आने वाले व्यक्ति पर आसानी से शक नहीं होता। इसी वजह से वे बाइक या किसी संदिग्ध वाहन के बजाय क्रेटा कार का इस्तेमाल करते थे। आरोपी कार से सामान्य तरीके से कॉलोनियों में घूमते और बंद मकानों की पहचान करते थे। वे देखते थे कि कौन-सा मकान लंबे समय से बंद है और किस घर में लोगों की आवाजाही नहीं है। मौका मिलते ही ताला तोड़कर घर में घुसते और नकदी व जेवर चोरी कर कार से फरार हो जाते थे।



केंद्रीय विद्यालय क्वार्टर में एक साथ पांच मकानों के ताले तोड़े: 12 सितंबर को कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय विद्यालय स्टाफ क्वार्टर में बदमाशों ने एक साथ पांच मकानों के ताले तोड़ दिए थे। यहां से नकदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी किए गए थे। एक ही स्थान पर कई घरों के ताले टूटने से पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और आरोपियों की तलाश शुरू की। इसके बाद सिविल लाइन स्थित केशव कुंज कॉलोनी में भी चोरी की वारदात सामने आई। यहां बदमाश घर का ताला तोड़कर सोने की झुमकियां, मंगलसूत्र, नथ, मोती और अंगूठी सहित अन्य जेवर चोरी कर ले गए।

शैक्षणिक संस्थानों की भी छुट्टी के दौरान रेकी करते थे

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले कार से क्षेत्र में घूमकर रेकी करते थे। वे देखते थे कि कौन-सा मकान लंबे समय से बंद है, किस घर में लोगों की आवाजाही नहीं है और किस जगह दिन में ताला लगा रहता है। शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश होने पर आरोपी उनकी भी रेकी करते थे। मकान या संस्थान को निशाना बनाने के बाद ताला तोड़कर अंदर घुसते और सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी समेट लेते थे। कार पास में होने के कारण चोरी का सामान उसमें रखते और बिना ज्यादा देर रुके मौके से निकल जाते थे।

खंडवा के अलावा कई जिलों और राज्यों में वारदात कबूली

टीआई प्रवीण आर्य के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने खंडवा के कोतवाली, मूंदी और जावर थाना क्षेत्रों के अलावा सिवनी, देवास और धार में भी वारदात करना कबूल किया है। आरोपियों ने महाराष्ट्र और गुजरात में भी चोरी की घटनाओं में शामिल होना बताया है। पुलिस अब इन स्थानों पर हुई अन्य चोरी की घटनाओं से आरोपियों के संबंधों की जांच कर रही है।

20 लाख का मशरूका बरामद, एक आरोपी अभी फरार

पुलिस ने आरोपियों से कुल करीब 20 लाख रुपए कीमत का मशरूका जब्त किया है। इसमें करीब 3 लाख रुपए नकद, 9 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर और वारदात में इस्तेमाल क्रेटा कार शामिल है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है। अन्य घटनाओं में चोरी गए सामान की बरामदगी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मामले में कैलाश पिता नवल सिंह भूरिया, निवासी देवधा, बाग, धार भी आरोपी है, लेकिन अभी उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उसके पकड़े जाने के बाद गिरोह की अन्य वारदातों और नेटवर्क के संबंध में और जानकारी सामने आने की संभावना है।

ठगी कर क्रिप्टो के जरिए पाकिस्तान भेजते थे रुपए

NRI दूल्हा बन करते थे ठगी, 11 करोड़ के ट्रांजैक्शन

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के शामगढ़ में मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महिला से साढ़े 7 लाख रुपए की साइबर ठगी में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आया है। आरोपियों को पाकिस्तान में बैठे लोगों से निर्देश मिल रहे थे। पुलिस अब सबूतों के आधार पर इस एंगल से जांच कर रही है। दरअसल, 29 सितंबर को पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का खुलासा किया था। इसमें 6 आरोपियों गिरफ्तार भी किया गया था। जांच आगे बढ़ने के बाद आरोपियों के पाकिस्तान कनेक्शन सामने आए। गिरोह का मुख्य सरगना बिहार निवासी टोनी कुमार है। वह ठगी की रकम को क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस आरोपियों के मोबाइल फोन, बैंक खातों, सिम कार्ड और क्रिप्टो वॉलेट की डिटेल खंगाल रही है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस राष्ट्रीय एजेंसियों का सहयोग लेगी।



डीआईजी बोले- विदेशी लिंक की जांच जारी: रतलाम रेंज डीआईजी निमिष अग्रवाल ने बताया कि मेट्रीमोनियल साइट पर पहचान के बाद गिफ्ट और कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर ठगी की शिकायत मिली थी। जांच में सामने आया कि गिरोह अलग-अलग हिस्सों में बंटकर काम करता था। पकड़े गए आरोपियों का काम अलग-अलग खातों में आने वाली रकम निकालकर आगे पहुंचाना था। डीआईजी ने आगे बताया कि जांच और डिजिटल डाटा में पाकिस्तान एंगल सामने आया है। आरोपियों को निर्देश देने वाले लोगों के पाकिस्तान में होने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि पैसा किन लोगों तक पहुंच रहा था। उसका इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा था। इस संबंध में अभी जांच जारी है। विदेशी कनेक्शन आने के बाद राष्ट्रीय एजेंसियों की मदद ली जाएगी।

मोबाइल नंबर- ढुक्क एड्रेस पाकिस्तान के मिले: सीएसपी जितेंद्र भास्कर ने बताया कि आरोपियों के पाकिस्तान में बैठे लोगों से संपर्क की बात सामने आई है। वहीं से मिले निर्देशों के आधार पर स्थानीय लोगों के बैंक अकाउंट उपलब्ध कराए जाते थे। उन खातों से रकम निकालकर आगे बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती थी। सीएसपी के अनुसार, आरोपियों ने संपर्क में लिए जिन मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया उनका IP एड्रेस भी पाकिस्तान से लिंक मिला है।

बुजुर्ग महिला से स्नैचिंग के 3 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, निवाड़ी (निप्र)। ओरछा पुलिस ने बनगांय गांव में वृद्ध महिला से सोने के जेवर छीनने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मंगलसूत्र, कनफूल, सोने की गुरिया, मोबाइल और नकदी समेत करीब 1.95 लाख रुपए का सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान प्रिंस उर्फ हिमेश शाक्य, जितेन्द्र अहिरवार और रोहन कुशवाहा के रूप में हुई है। चबूतरे पर बैठी थीं वृद्धा, अचानक छीने जेवर घटना 24 सितंबर की शाम करीब 4.30 बजे की है। वृद्ध महिला लाड़कुंवर चबूतरे पर बैठी थीं। तभी तीन युवक वहां पहुंचे और उनके गले से मंगलसूत्र तथा कानों से कनफूल छीनकर भाग गए। पोते नीलेश यादव की शिकायत पर 25 सितंबर को ओरछा थाने में मामला दर्ज किया गया। सीसीटीवी और टैक्सी चालकों से मिली सुराग एसपी डॉ. राय सिंह नरवरिया के निर्देश पर पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके साथ ही मुखबिरों और टैक्सी चालकों से पूछताछ की गई। जांच के दौरान आरोपियों की पहचान हुई। पहले दो आरोपी पकड़े, फिर तीसरे तक पहुंची पुलिस पुलिस ने 27 सितंबर को प्रिंस उर्फ हिमेश और जितेन्द्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने रोहन कुशवाहा के साथ वारदात करना बताया। उनकी निशानदेही पर करीब 20 हजार रुपए कीमत की छह सोने की गुरिया बरामद की गई। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। मंगलसूत्र, कनफूल समेत 1.60 लाख के जेवर बरामद इसके बाद पुलिस ने रोहन कुशवाहा को गिरफ्तार किया।

सरकारी जमीन पर कपास-मक्का के बीच गांजे की खेती पकड़ी

रतलाम के उंडेर गांव में 2948 पौधे मिले, 724 किलो गांजा जब्त, कीमत सात लाख रुपए



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम पुलिस ने सरवन थाना क्षेत्र के उंडेर गांव में शासकीय भूमि पर कपास और मक्का की फसल के बीच अवैध रूप से की जा रही गांजे की खेती का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीम ने मौके से गांजे के 2948 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका वजन 724 किलोग्राम है और अनुमानित कीमत करीब 7 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। सूचना पर पुलिस टीमों ने रात में खेतों में सर्चिंग की

पुलिस को मंगलवार देर रात ग्राम उंडेर क्षेत्र में अवैध रूप से गांजे की खेती किए जाने की सूचना मिली थी। एसपी अमित कुमार ने टीम गठित कर सैलाना एसडीओपी लेखराज मीणा (आईपीएस) के नेतृत्व में थाना सरवन, थाना सैलाना और थाना बाजना की अलग-अलग टीमों को कार्रवाई के लिए भेजा। टीमों ने ग्राम उंडेर में पहाड़ी किनारे स्थित खेतों और आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग की। इस दौरान शासकीय भूमि पर कपास और मक्का की फसल के बीच बड़ी संख्या में गांजे के हरे पौधे उगाए हुए मिले। पुलिस टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सभी पौधों को जब्त कर लिया।

शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे की भी जांच: एसपी अमित कुमार ने बताया कि गांजे की खेती शासकीय भूमि पर की जा रही थी। पुलिस द्वारा उक्त भूमि पर अवैध कब्जा कर खेती करने वाले लोगों और गांजे की खेती से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान कर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिम्मेदार लोगों की पहचान होने के बाद उन्हें प्रकरण में आरोपी बनाया जाएगा। अवैध खेती के पीछे जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पिछोर में बलेनो से 27 पेटी देशी शराब जब्त

अंधेरे का फायदा उठा चालक कार छोड़कर भागा, पुलिस ने तलाश शुरू की

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के पिछोर में पुलिस ने 1 अक्टूबर की रात बलेनो कार से 27 पेटी देशी प्लेन शराब जब्त की। पुलिस के मुताबिक, चेकिंग के दौरान चालक कार लेकर भागने लगा। पीछा करने पर वह कच्चे रास्ते में कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस रात कस्बे में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि नीले रंग की मारुति सुजुकी बलेनो कार में शराब भरकर मायापुर से पिछोर की ओर लाई जा रही है।

पुलिस ने लभेड़ा तिराहे पर वाहन चेकिंग शुरू की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए की कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया। लेकिन चालक कार को लभेड़ा रोड की ओर तेजी से ले गया।

पुलिस ने कार का पीछा किया तो चालक उसे कच्चे रास्ते पर ले गया। आगे रास्ता बंद मिलने पर



चालक कार छोड़कर अंधेरे में भाग गया।कार से मिली 27 पेटी देशी शराब पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें 27 पेटी देशी प्लेन मदिरा मिली। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 1.08 लाख रुपए है। शराब के परिवहन में इस्तेमाल बलेनो कार को भी पुलिस ने जब्त किया है।

नर्मदापुरम में PDS राशन का 1.04 करोड़ का घोटाला



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में गरीब परिवारों को सरकारी राशन बांटने वाली दो PDS दुकानों में करीब 1.04 करोड़ रुपए के खाद्यान्न की अनियमितता सामने आई है। जांच में ई-पॉस मशीन के रिकॉर्ड में हजारों किलो गेहूं-चावल का स्टॉक दर्ज मिला, लेकिन मौके पर उसका 10 प्रतिशत स्टॉक भी नहीं मिला। मामले में दोनों राशन दुकानों को निलंबित कर दिया गया है। जांच में करीब 250 से 300 परिवारों को तीन महीने का राशन नहीं मिलने की बात भी सामने आई है। प्रशासन ने दुकान संचालक समिति के प्रबंधक प्रकाश तिवारी और विक्रेता हर्ष तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी और सरकारी खाद्यान्न के गबन के मामले में FIR दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। दोनों को पिता-पुत्र बताया गया है।

एक साल बाद FIR के निर्देश: मामला सामने आने के करीब एक साल बाद प्रशासन ने एफआईआर की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी सरोज सिंह परिहार ने 28 सितंबर 2026 को आदेश जारी कर दोनों दुकानों के प्रबंधक और विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अमित साहू ने कोतवाली थाने में शिकायत भी दी है। हालांकि, फिलहाल एफआईआर दर्ज होना बाकी है।

ई-पॉस में 14 हजार किलो गेहूं, मौके पर 300 किलो

29 अक्टूबर 2025 को संयुक्त आपूर्ति अधिकारी के भौतिक सत्यापन में ई-पॉस रिकॉर्ड और मौके पर मिले खाद्यान्न के स्टॉक में बड़ा अंतर सामने आया। दुकान कोड 2601055 में ई-पॉस पर 14,070 किलो गेहूं दर्ज था, जबकि मौके पर सिर्फ 300 किलो मिला। चावल का स्टॉक 3,406 किलो दर्ज था, लेकिन मौके पर 100 किलो ही मिला। इसी तरह दुकान कोड 2601065 में रिकॉर्ड के अनुसार 20,757 किलो गेहूं होना था, लेकिन मौके पर 400 किलो मिला। चावल का स्टॉक 4,919 किलो दर्ज था, जबकि मौके पर सिर्फ 200 किलो मिला।

दोनों दुकानों में 1.03 करोड़ की अनियमितता

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, दुकान कोड 2601055 में विक्रेता हर्ष तिवारी के स्तर पर 33 लाख 17 हजार 161 रुपए के खाद्यान्न की अनियमितता पाई गई। दूसरी दुकान कोड 2601065 में प्रकाश तिवारी के स्तर पर 70 लाख 82 हजार 690 रुपए की अनियमितता सामने आई। दोनों दुकानों को मिलाकर कुल राशि 1 करोड़ 3 लाख 99 हजार 851 रुपए बताई गई है।

दोनों दुकानें निलंबित, दूसरी दुकानों से राशन मिलेगा

प्रशासन ने दोनों PDS दुकानों को निलंबित कर दिया है। दुकान कोड 2601055 को जय भोले प्राथमिक उपभोक्ता भंडार, वार्ड 4, 10 और 11 से अटैच किया गया है। वहीं दुकान कोड 2601065 को बालागंज प्राथमिक उपभोक्ता भंडार, वार्ड 7, 8 और 9 से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था से प्रभावित हितग्राहियों को दूसरी दुकानों के माध्यम से राशन दिया जाएगा।

1.04 करोड़ की होगी वसूली

प्रशासन के अनुसार दोनों आरोपियों से 1,03,99,851 रुपए की राशि भू-राजस्व की तरह वसूल की जाएगी। मामले में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश, 2015 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। फिलहाल पुलिस में FIR दर्ज होना बाकी है। लगाए गए आरोपों की अंतिम कानूनी स्थिति जांच और न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही तय होगी।

रिश्वत लेते पकड़े गए वनरक्षक को 4 साल की सजा

लाइसेंस के लिए 5 हजार मांगे, 4 हजार लेते लोकायुक्त ने रंगेहाथ पकड़ा था

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में इमारती लकड़ी के व्यापार का लाइसेंस जारी करने के एवज में रिश्वत लेने वाले वनरक्षक को विशेष न्यायालय ने 4 साल के कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। दक्षिण वन मंडल कार्यालय में पदस्थ वनरक्षक राजकुमार मौर्य को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त सागर ने रंगेहाथ पकड़ा था। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) शहाबुद्दीन हाशमी की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी वनरक्षक को दोषी पाते हुए सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, देवरी निवासी नीलेश जाटव ने फरवरी 2023 में इमारती लकड़ी के व्यापार के पंजीयन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। लाइसेंस प्राप्त करने के लिए जब उसके भाई वीरेंद्र जाटव वन मंडल कार्यालय पहुंचे तो वहां पदस्थ वनरक्षक



राजकुमार मौर्य ने लाइसेंस जारी करने के बदले 10 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने अधिक राशि देने में असमर्थता जताने के बाद बातचीत में रिश्वत की रकम 5 हजार रुपए तय हुई। आरोपी ने 16 जून 2023 को 1 हजार रुपए अग्रिम रिश्वत लेकर लाइसेंस जारी कर दिया और शेष 4 हजार रुपए बाद में देने को कहा। 2023 में रिश्वत लेते पकड़ाया था आरोपी फरियादी वीरेंद्र जाटव ने मामले की शिकायत लोकायुक्त एसपी कार्यालय सागर में की। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने 21 जून 2023 को दक्षिण वन मंडल कार्यालय के बाहर ट्रैप की कार्रवाई की। इस दौरान वनरक्षक राजकुमार मौर्य को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान केमिकल टेस्ट, रिश्वत संबंधी बातचीत की वॉयस रिकॉर्डिंग और एफएसएल रिपोर्ट अभियोजन के महत्वपूर्ण साक्ष्य रहे।

नमो क्रिकेट लीग में कुरुक्षेत्र, नोएडा, पानीपत, जींद और समालखा की टीमें जीतीं

पंचकूला,एजेसीं। ताऊ देवी लाल क्रिकेट स्टेडियम सेक्टर-3 में चल रही नमो क्रिकेट लीग में विभिन्न मुकाबले खेले गए। दिनभर चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों ने भी क्रिकेट का जमकर आनंद लिया। कुरुक्षेत्र किंग्स, नोएडा नाइट्स, पानीपत पैंथर्स, जींद जगुआर्स और समालखा सुपरस्टार्स ने अपने-अपने मुकाबले जीत दर्ज की। नमो क्रिकेट लीग का आयोजन सुदेश भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन तरुण भंडारी की ओर से नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मीडिया कोआर्डिनेटर संजीव सूद ने बताया कि खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इसके अलावा चौके और छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों को भी अलग से नगद पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं। कुरुक्षेत्र किंग्स ने 38 रन से जीता मुकाबला कुरुक्षेत्र किंग्स ने रेवाड़ी-भिवानी रॉयल्स को 38 रन से हराया। कुरुक्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में छह विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में रेवाड़ी-भिवानी रॉयल्स की टीम 10 ओवर



में नौ विकेट पर 70 रन ही बना सकी। शमशेर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रितेश नोनू ने 44 रन बनाए, जबकि दिगशांत वासु ने चार विकेट हासिल किए।

नोएडा नाइट्स ने 12 रन से दर्ज की जीत

फरीदाबाद फाल्कन्स और नोएडा नाइट्स के बीच खेले गए मुकाबले में नोएडा ने 12 रन से जीत हासिल की। नोएडा नाइट्स ने 10 ओवर में छह विकेट पर 116 रन बनाए। फरीदाबाद फाल्कन्स की टीम 10 ओवर में छह विकेट पर 104 रन ही बना सकी। कपिल डैजलर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सुरेश कुमार रैना ने 37 रन बनाए, जबकि अनिल कुमार ने दो विकेट लिए।

पानीपत पैंथर्स ने मेरठ को 23 रन से हराया: मेरठ मावेरिक्स के खिलाफ पानीपत पैंथर्स ने 23 रन से जीत दर्ज की। पानीपत ने 10 ओवर में पांच विकेट पर 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ की टीम नौ ओवर में 67 रन पर ऑलआउट हो गई। आकाश राजपूत ने 57 रन की शानदार पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजत गुज्जर ने तीन विकेट हासिल किए।

जींद जगुआर्स ने चार ओवर में हासिल किया लक्ष्य: जींद जगुआर्स ने रोमांचक मुकाबले में लखनऊ लेजेंड्स को छह विकेट से हराया। लखनऊ ने 10 ओवर में आठ विकेट पर 42 रन बनाए। जींद ने महज चार ओवर में चार विकेट गंवाकर 45 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया

एशियन गेम्स: सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में हारे, बिना पदक के भारत का टेनिस अभियान समाप्त



नागोया ,एजेसीं। सुमित नागल गुरुवार को यहां हिगाशियामा पार्क टेनिस सेंटर में पुरुषों के एकल क्वार्टर फाइनल में चीन के वू यिबिंग से सीधे सेटों में 4-6, 4-6 से हार गए। नागल की हार के साथ ही एशियन गेम्स में भारत का टेनिस अभियान खत्म हो गया। 1986 के बाद यह पहला मौका है, जब भारतीय टेनिस टीम एशियन गेम्स से बिना पदक जीते लौटेगी। नागल की पहली सर्विस अच्छी नहीं रही। उन्होंने अपनी पहली सर्विस से 62 प्रतिशत और दूसरी सर्विस से 59 प्रतिशत अंक जीते, लेकिन मैच में तीन बार उनकी सर्विस ब्रेक हुई। नागल से पहले, सुरेश दक्षिणेश्वर भी पुरुषों के एकल के राउंड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के त्सेंग चुन-हसिन से 6-3, 6-4 से हार गए थे। भारत पुरुषों के डबल्स में भी 1998 के गेम्स के बाद पहली बार कोई मेडल नहीं जीत पाया। युकी भांबरी-दक्षिणेश्वर सुरेश और अनिरुद्ध चंद्रशेखर-एन श्रीराम बालाजी की स्टार जोड़ियां भी पुरुषों के डबल्स के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। भांबरी-सुरेश अपने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के रे हो और सू यू-हिसयू से हार गए, जबकि बालाजी-अनिरुद्ध एक रोमांचक टाई-ब्रेक मुकाबले में चीन के जियांग फुमिन और झांग तियानहुई से हार गए। अंकिता रैना और रुतुजा भोसले की महिला डबल्स जोड़ी पहले राउंड में कजाकिस्तान की अन्ना डैनिलिना और यूलिया पुतिनत्सेवा से हार गई। मिक्स्ड डबल्स में भी भारत को निराशा हाथ लगी, क्योंकि युकी भांबरी और रुतुजा भोसले राउंड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के हिसएह सु-वेई और त्सेंग चुन-हिसन से हार गए। एन श्रीराम बालाजी और अंकिता रैना भी राउंड ऑफ 32 में हांगकांग, चीन के यूडिस चोंग और कैरन थॉम्पसन से हारकर बाहर हो गए। भारत ने हांगझोऊ गेम्स 2023 में टेनिस में दो मेडल जीते थे। पिछले एशियाई खेलों में रोहन बोपन्ना और रुतुजा ने मिक्स्ड डबल्स इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जबकि रामकुमार रामनाथन और साकेत मायनेनी ने हांगझोऊ में मेंस डबल्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था।

त्रिकोणीय सीरीजः इंग्लैंड की 16-सदस्यीय वनडे टीम घोषित, 8 साल बाद मेसन क्रेन की वापसी

लंदन ,एजेसीं। इंग्लैंड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए 16-सदस्यीय टीम घोषित कर दी है, जिसमें लेग-स्पिनर मेसन क्रेन को आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। इस सीरीज में इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ श्रीलंकाई टीम भी शामिल है। 29 वर्षीय क्रेन इंग्लैंड के लिए आखिरी बार जनवरी 2018 में एशेज टेस्ट खेले थे। साल 2017 में दो टी20 मैच खेलने वाले क्रेन, ग्लैमॉर्गन के साथ घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम में रेहान अहमद की जगह लेंगे। इंग्लिश ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज हेनरी क्रोकोम्बे जैसे नए खिलाड़ियों को भी टीम में बुलाया है। सीनियर लेग-स्पिनर आदिल राशिद और ऑलराउंडर सैम करन क्रमशः हाथ और कमर की चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं, लेकिन जोस बटलर अभी भी बाहर हैं क्योंकि वह श्रीलंका के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज (जिसे इंग्लैंड ने 2-1 से जीता था) के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के कारण आराम दिया गया है। घुटने की सर्जरी के बाद मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज जैकब बेथेल फिलहाल बाहर हैं। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स भी इस टीम का हिस्सा नहीं हैं, जिनकी डर्बी नाइटक्लब के बाहर हुई एक घटना के लिए क्रिकेट रेगुलेटर ने जांच की थी। रावलपिंडी और लाहौर में होने वाली यह ट्राई-सीरीज 18 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच के साथ शुरू होगी। इंग्लैंड अपने अभियान की शुरुआत



20 अक्टूबर को रावलपिंडी में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ करेगा और फाइनल मैच 31 अक्टूबर को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन पाकिस्तान में टीम के साथ नहीं होंगे, हालांकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सर्दियों में होने वाले मैचों के लिए वह अपनी मेंटॉर की भूमिका फिर से शुरू करेंगे। इसके अलावा, पाकिस्तान के खिलाफ 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतने में अंतरिम भूमिका निभाने के बाद मार्कस ट्रेस्कोथिक को ब्रेक दिया गया है। इंग्लैंड की डेवलपमेंट टीमों के साथ काम करने के बाद माइक यार्डी बैटिंग कोच की भूमिका संभालेंगे। इंग्लैंड की वनडे टीमः हैरी ब्रूक (कप्तान), गस एटकिंसन, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जेम्स कोल्स, जॉर्डन कॉक्स, मेसन क्रेन, हेनरी क्रोकोम्बे, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल रशीद, जो रूट और जोश टोंग।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि,

नागोया ,एजेसीं। टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। तीसरा गेम चान सिन ने 11-6 से जीता, तो चौथे गेम को 13-11 और पांचवें गेम को 12-10 से जीता। इस जीत के साथ हांगकांग ने मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया। पहले गेम में तन्वी को 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम 13-11, तीसरा गेम 11-9 और 13-11 से जीता। निर्णायक मुकाबले में जोशना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गईं। हो त्जे ने पहला गेम 11-4 से अपने नाम किया।इसके बाद दूसरे गेम में भी हांगकांग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को 11-7 से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आई और उन्होंने 11-9 से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया। वहीं, भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। एशियन गेम्स 2026 में स्क्वैश में यह चौथा मेडल है। इससे पहले, भारत व्यक्तिगत स्पर्धा में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

पुरुष वॉलीबॉल क्वार्टर फाइनल में भारत को पाकिस्तान से मिली हार



ओकाजाकी ,एजेसीं। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम को गुरुवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही एशियन गेम्स में पदक जीतने का भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का 1986 से चला आ रहा इंतजार बरकरार है। पाकिस्तान ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में भारत को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान वॉलीबॉल टीम ने 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला बराबरी का था। स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। इसके बाद पाकिस्तान ने पहले सेट में बढ़त बनानी शुरू की और लगातार पांच पॉइंट जीतकर 16-11 से आगे हो गया। जैसे-जैसे सेट आगे बढ़ा, पाकिस्तान की बढ़त बढ़ती गई। पाकिस्तान ने पहला सेट 25-19 से जीत लिया। दूसरे सेट में 19-16 से आगे रहने के बाद भी भारत अपनी बढ़त बनाए नहीं रख सका। गलतियां भारतीय टीम पर भारी पड़ीं और पाकिस्तान ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 25-23 से जीता और 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में पाकिस्तान ने अपना दबदबा बनाए रखा और 25-18 से जीत हासिल की भारत आइची-नागोया 2026 में पूल सी में अपने तीनों मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वियतनाम पर 3-0 की जीत के साथ की थी और फिर हांगकांग चीन को भी इसी अंतर से हराया था। अपने आखिरी पूल मैच में भारत ने कतर के खिलाफ शुरुआती 2 सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 26-28, 25-27, 25-23, 25-20, 24-22 के स्कोर के साथ 3-2 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल सी में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय वॉलीबॉल टीम को पिछले 2 एशियाई खेलों में भी पाकिस्तान से हार झेलनी पड़ी थी। हांगझोऊ 2023 में पाकिस्तान ने भारत को 3-0 और जकार्ता 2018 में 3-1 से हराया था। भारतीय पुरुष टीम ने अब तक एशियाई खेलों में वॉलीबॉल में तीन मेडल जीते हैं। भारतीय टीम ने जकार्ता में 1962 में सिल्वर जीता था।

एशियन गेम्स 2026: ईशान किशन के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, मनीष पांडे का तोड़ा 8 साल पुराना रिकॉर्ड

नागोया ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 में भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मनीष पांडे का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सेमीफाइनल मुकाबले में ईशान के बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया गया और वह तीन विकेट गिरने के बाद मैदान पर उतरे। ईशान शुरुआत से ही बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 46 गेंदों का सामना करते हुए 80 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ने 4 चौके और 5 छक्के लगाए। ईशान भारत की ओर से नंबर पांच या उससे नीचे की बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए टी20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान ने मनीष पांडे का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मनीष ने साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 79 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ईशान सेमीफाइनल में भारतीय टीम के संकटमोचक साबित हुए और वह एक छोर को लगातार संभालकर खड़े रहे। ईशान के अलावा, भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी भी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों का योगदान दिया। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि, अभिषेक शर्मा (7 रन) और संजू सैमसन (7 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 13 गेंदों का सामना करने के बाद 13 रन ही बना सके। उपकप्तान तिलक वर्मा 4 गेंदों का सामना करने के बाद 2 रन ही बना सके, जबकि शिवम दुबे सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से गेंदबाजी में थारिन्दु रथनायके ने 32 रन खर्च करके 2 विकेट चटकाए। वहीं, कप्तान साहन अराच्चिगे ने 28 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।



एशियन गेम्स के फाइनल में कैसा रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, पाकिस्तान के खिलाफ 'वर्चस्व' बरकरार रखने की चुनौती

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। श्रीलंका को सेमीफाइनल में 124 रनों से रौंदकर टीम इंडिया अब फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन गेम्स के फाइनल में खेलने का मौका अब तक एक बार भी नहीं मिला है। पिछले एशियन गेम्स में टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन वो मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम को विजेता घोषित करते हुए गोल्ड मेडल दिया गया था। अफगानिस्तान ने इस मैच में 18.2 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 112 रन बनाए थे। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे और रवि बिश्नोई एक-एक विकेट निकालने में सफल रहे थे। एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 3 अक्टूबर को खेला जाना है। टीम इंडिया का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है। टी20 इंटरनेशनल में दोनों टीमों की अब तक कुल 17 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से भारतीय टीम ने 13 मैचों में जीत दर्ज की है। वहीं, पाकिस्तान को सिर्फ 3 मुकाबलों में जीत नसीब हो सकी है। एक मुकाबला टाई रहा था और वहां भी भारतीय टीम बाजी मारने में सफल रही थी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ अपने इस दबदबे को कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 में हुई थी।



'हमें खुद पर भरोसा था, मैच शूटआउट में नहीं जाने देना चाहते थे', पाकिस्तान के खिलाफ मिली रोमांचक जीत पर बोले मंदीप सिंह



काकामिगहारा । भारतीय मेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। रोमांच से भरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से शिकस्त दी। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी मंदीप सिंह ने कहा कि टीम चाहती थी कि मैच को किसी भी तरह से शूटआउट में न जाने दिया जाए। भारत और पाकिस्तान का स्कोर 3-3 की बराबरी पर चल रहा था और मुकाबला शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था। हालांकि, मैच के अंतिम मिनट में अभिषेक ने विजयी गोल दागते हुए भारत को फाइनल का टिकट दिलाया। मंदीप ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा, 'हमने पहले दो क्वार्टर में काफी अच्छी हॉकी खेली, लेकिन तीसरे और चौथे क्वार्टर में हमारा थोड़ा स्ट्रक्चर बिगड़ गया था। इन्हीं गलतियों की वजह से गोल हुए। हालांकि, हमें भरोसा था कि चाहे जैसे भी हो हमें इस मुकाबले को निकालना है और शूटआउट में लेकर नहीं जाना है। अंत में वही चीज हुई और हमने आखिरी 40 सेकंड में गोल किया।' मंदीप ने कहा कि टीम सेमीफाइनल मैच से सीख लेगी कि खासतौर पर चौथे क्वार्टर में टीम को अपना स्ट्रक्चर सही रखना है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल को जीतकर एशियन गेम्स में लगातार दूसरा गोल्ड मेडल जीतने का प्रयास करेगी। वहीं, जरमनप्रीत सिंह ने कहा कि टीम के लिए इस मैच को जीतना बेहद जरूरी था, क्योंकि टीम का शुरुआत से लक्ष्य गोल्ड मेडल जीतकर ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई था। मैच के दौरान भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। इस पर बात करते हुए जरमनप्रीत ने कहा कि सेमीफाइनल जैसे मैचों में ऐसे पल आना भी जरूरी होता है, क्योंकि इन पलों से मैच का रोमांच बना रहता था। उन्होंने कहा कि मुकाबले में हर खिलाड़ी ने अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश की। जरमनप्रीत ने कहा कि गोल्ड मेडल मैच से पहले टीम अपनी गलतियों में सुधार करने की कोशिश करेगी और फाइनल में बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन की भी सराहना की, जिन्होंने सेमीफाइनल में भारत को कड़ी टक्कर दी। भारतीय खिलाड़ी संजय ने माना कि सेमीफाइनल जैसे मुकाबले ऐसे ही कड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि स्कोर पर ज्यादा ध्यान न देकर टीम के सभी खिलाड़ी एक-दूसरे को मोटिवेट करते रहे। संजय ने कहा कि मैच के बीच में स्कोर क्या है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, बल्कि 60 मिनट के बाद स्कोर क्या रहता है यह महत्वपूर्ण होता है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में होने वाले अतिरिक्त दबाव को लेकर बात करते हुए संजय ने कहा कि विपक्षी टीम से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी इस बात का ध्यान रखने की कोशिश करते हैं कि वह सभी प्लान के हिसाब से खेलें और बाहरी शोर पर अधिक ध्यान न दें।

ईशान किशन की दमदार पारी, भारत ने सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 7 विकेट खोकर बनाए 169 रन

निशिन ,एजेसीं। एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत श्रीलंका से हो रही है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 3 गेंदों में महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद संजू सैमसन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 गेंदों में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा और वह 13 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में लौटे वैभव सूर्यवंशी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों की अहम पारी खेली। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वैभव के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन ने संभाला। दूसरे छोर से भारतीय टीम विकेट गंवाती रही, लेकिन ईशान क्रीज पर डटे रहे। उन्होंने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिफ्टी पूरा होने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपना अंदाज बदला और उन्होंने अगली 13 गेंदों में 30 रन बनाए। ईशान 46 गेंदों में 80 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए। अक्षर पटेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 13 गेंदों का सामना करने के बावजूद सिर्फ 8 रन ही बना सके।

सीएम हेल्पलाइन 1076: आमजन की समस्याओं के समाधान का भरोसेमंद सेतु शिकायत से समाधान तक नागरिकों को मिल रहा मार्गदर्शन और सहायता, शासन तक अपनी बात पहुंचाना हुआ आसान



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उसकी बात सहजता से शासन-प्रशासन तक पहुंचे, इस दिशा में सीएम हेल्पलाइन 1076 महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। नागरिक अपनी समस्याएं और शिकायतें हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं, जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग तक पहुंचाया जाता है। इससे शिकायत के समाधान के साथ नागरिकों को उचित प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में मार्गदर्शन भी मिल रहा है सीएम हेल्पलाइन की उपयोगिता केवल शिकायत दर्ज कराने तक सीमित नहीं है। कई बार नागरिक को यह जानकारी नहीं होती कि उसकी समस्या का समाधान किस विभाग से होगा, कौन से दस्तावेज आवश्यक होंगे और किस प्रक्रिया का पालन करना होगा। ऐसी परिस्थितियों में हेल्पलाइन नागरिक और संबंधित विभाग के बीच सेतु का काम करते हुए समाधान की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर रही है। एक शिकायत से खुलती है समाधान की राह सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित विषय को उचित स्तर पर भेजा जाता है। आवश्यकता के अनुसार संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता से संपर्क कर समस्या की जानकारी लेते हैं और आगे की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन देते हैं। इससे नागरिक को अपनी समस्या लेकर अलग-अलग कार्यालयों में भटकने के बजाय सही प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो रही है। जानकारी के अभाव में कई बार नागरिक गलत कार्यालय या प्रक्रिया में समय और संसाधन खर्च करते हैं। सही विभाग, आवश्यक दस्तावेज और निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी मिलने से समस्या के निराकरण की राह आसान होती है।

आराधना के आधार कार्ड में सुधरी जन्मतिथि, उच्च शिक्षा की राह हुई आसान सरगुजा जिले के ग्राम करिया की छात्रा आराधना सिंह का मामला सीएम हेल्पलाइन से मिली सहायता का उदाहरण है। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद कॉलेज में प्रवेश की तैयारी के दौरान उन्हें पता चला कि उनके आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज है और वास्तविक जन्मतिथि से लगभग तीन वर्ष का अंतर है। आराधना ने आधार केंद्र और डाकघर के माध्यम से जन्मतिथि में सुधार कराने का प्रयास किया, लेकिन अधिक अंतर होने के कारण सामान्य प्रक्रिया से संशोधन नहीं हो सका। समस्या का समाधान नहीं मिलने पर उनके चाचा ने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद संबंधित अधिकारियों ने परिवार से संपर्क किया और जन्म प्रमाण पत्र, शपथ पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने का मार्गदर्शन दिया। आराधना ने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर प्रक्रिया पूरी की और लगभग एक सप्ताह में उनके आधार कार्ड में जन्मतिथि का सुधार हो गया। दस्तावेज में सुधार होने से आराधना के लिए कॉलेज में प्रवेश और भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं में आने वाली संभावित परेशानी दूर हुई। उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुशासन की दिशा में नागरिक-केंद्रित पहल नागरिकों की समस्याओं को सुनना, उन्हें सही प्रक्रिया तक पहुंचाना और संबंधित विभाग के माध्यम से निराकरण की दिशा में कार्रवाई करना सुशासन का महत्वपूर्ण आधार है। सीएम हेल्पलाइन 1076 शासन और नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करते हुए इसी नागरिक-केंद्रित व्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। आराधना के लिए आधार कार्ड में जन्मतिथि का सुधार महज एक दस्तावेज में बदलाव नहीं है। इससे उनकी उच्च शिक्षा और भविष्य की योजनाओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर हुई है। ऐसे प्रकरण बताते हैं कि सही समय पर मिला मार्गदर्शन और प्रशासनिक सहयोग नागरिक के लिए बड़ी राहत का माध्यम बन सकता है।

विद्यार्थी से किसान तक, हर वर्ग के लिए उपयोगी व्यवस्था

नागरिकों के सामने आने वाली समस्याएं अलग-अलग हो सकती हैं। किसी विद्यार्थी के दस्तावेज में त्रुटि हो सकती है, किसी किसान को शासकीय सेवा या योजना से संबंधित कठिनाई हो सकती है, किसी व्यक्ति का आवेदन लंबित हो सकता है तो किसी नागरिक को विभागीय प्रक्रिया की सही जानकारी की आवश्यकता हो सकती है। सीएम हेल्पलाइन 1076 ऐसे मामलों में नागरिकों को अपनी समस्या शासन के समक्ष रखने का माध्यम उपलब्ध कराती है। विद्यार्थी शिक्षा और दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं, किसान शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित कठिनाइयों और महिलाएं विभिन्न शासकीय सेवाओं से जुड़े विषयों को हेल्पलाइन के माध्यम से सामने रख सकती हैं। बुजुर्ग और अन्य नागरिक भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़ी समस्याओं के संबंध में सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

2 अक्टूबर से गांव-गांव में 'रिफॉर्म उत्सव', ग्राम सभा से बनेगा विकास का रोडमैप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पूरे छत्तीसगढ़ में 02 अक्टूबर 2026 से 'रिफॉर्म उत्सव' के साथ विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होगी। जन योजना अभियान (पीपीसी) के साथ एकीकृत रूप से आयोजित होने वाले इस अभियान में ग्राम सभाओं को गांव के विकास की प्राथमिकताएं तय करने और योजनाओं पर सीधे संवाद का प्रमुख मंच बनाया जाएगा। ग्रामीणों से उनकी जरूरतों, विकास की कमियों, उपलब्ध संसाधनों और जरूरी कार्यों पर सुझाव लेकर इन्हें ग्राम पंचायत की आगामी विकास योजना में शामिल किया जाएगा। रिफॉर्म उत्सव के दौरान ग्राम सभाओं में वीबी-जीरामजी के तहत 125 दिवस रोजगार की वैधानिक गारंटी, 15 दिन में रोजगार, समय पर मजदूरी भुगतान, 375 अनुमेय कार्यों में से गांव की जरूरत के अनुसार कार्यों का चयन, आजीविका संवर्धन, ग्रामीण अधोसंरचना और विभिन्न योजनाओं के अभिसरण साथ साथ लखपति दीदी योजना , आजीविका गतिविधि जैसे विषयों पर ग्रामीणों से संवाद होगा। पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 'ग्राम सभा से तय होगी विकास की प्राथमिकता' वीजीपीपी के तहत 2 अक्टूबर की ग्राम सभा में ग्रामीणों को योजना तैयार करने की प्रक्रिया, ग्राम पंचायत के आधारभूत आंकड़ों, आधार मानचित्र और उपलब्ध अनुमेय कार्यों की जानकारी दी जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान: सेवा की कहानी : कम समय, कम खर्च और आसान प्रक्रिया-सविता ने महसूस किया पंजीयन सेवाओं में बदलाव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए अधिक समय लगना और उसके बाद नामांतरण के लिए अलग से प्रक्रिया पूरी करना नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनता था। पंजीयन सेवाओं में किए गए सुधारों से अब यह तस्वीर बदल रही है। सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमकानी निवासी श्रीमती सविता पैंकरा ने इस बदलाव को स्वयं महसूस किया। कम समय में उनकी रजिस्ट्री पूरी हुई, महिला होने के कारण पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत मिली, पंजीयन के बाद नामांतरण की प्रक्रिया तत्काल आगे बढ़ी और रजिस्ट्री की प्रति भी सीधे मोबाइल पर प्राप्त हो गई। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पंजीयन विभाग से संवाद में उन्होंने अपना अनुभव साझा किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वित्त एवं पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की पहल से पंजीयन सेवाओं को सरल, सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए तकनीक आधारित सुधार किए गए हैं। महिलाओं को पंजीयन शुल्क में राहत देने के साथ रजिस्ट्री और उससे जुड़ी प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से आसान बनाया जा रहा है। इन सुधारों से नागरिकों का समय और खर्च कम होने के साथ कार्यालयों की अनावश्यक दौड़भाग भी घट रही है। पहले एक दिन में नहीं होता था काम, अब कम समय में पूरी हुई रजिस्ट्री श्रीमती सविता पैंकरा ने बताया कि पहले संपत्ति पंजीयन की प्रक्रिया में अधिक समय लगता था और कई बार एक दिन में काम पूरा नहीं हो पाता था। नई व्यवस्था में उन्हें कम समय में पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होने की सुविधा मिली। महिला हितग्राही होने के कारण पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत से रजिस्ट्री का खर्च भी कम हुआ। इस तरह सविता को एक साथ दोहरी राहत मिलीकुएक ओर शुल्क में बचत हुई, वहीं दूसरी ओर कम समय में पंजीयन पूरा होने से समय और अनावश्यक दौड़भाग से भी राहत मिली।रजिस्ट्री के साथ नामांतरण ने खत्म किया अलग प्रक्रिया का इंतजार पंजीयन के बाद नामांतरण की प्रक्रिया को भी अधिक सुविधाजनक बनाया गया है। ऑटोम्यूटेशन व्यवस्था के माध्यम से रजिस्ट्री होने के बाद राजस्व अभिलेखों में नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः आगे बढ़ती है। इससे नागरिकों को नामांतरण के लिए अलग से आवेदन करने और संबंधित कार्यालयों में बार-बार जाने की आवश्यकता कम हुई है। श्रीमती सविता पैंकरा को भी इस सुविधा का लाभ मिला। पंजीयन के बाद उनके नाम से नामांतरण की प्रक्रिया तत्काल आगे बढ़ी। इससे संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद अलग से नामांतरण के लिए इंतजार और कार्यालयीन प्रक्रिया की परेशानी कम हुई। मोबाइल पर मिली रजिस्ट्री की प्रति, डिजिटल सुविधाओं ने आसान किया काम तकनीक के उपयोग से पंजीयन की प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया गया है। आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से क्रेता, विक्रेता और गवाहों की पहचान सत्यापित की जाती है।



52 बाइक यात्रियों का दल पहुंचा बिलासपुर, तिफरा में हुआ भव्य अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर से उनकी कर्मभूमि काशी तक निकली सेवा यात्रा में शामिल 52 बाइक यात्रियों का दल आज बिलासपुर पहुंचा। तिफरा स्थित झूलेलाल मंगलम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी सहित जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया। महिलाओं ने यात्रियों को तिलक लगाया और आरती उतारकर उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से प्रारंभ यह बाइक यात्रा वडनगर से काशी तक निकाली जा रही है। यात्रा में शामिल बाइकर्स रास्ते में पड़ने वाली पवित्र नदियों का जल अपने साथ लेकर चल रहे हैं, जिसे काशी विश्वनाथ मंदिर में अर्पित किया जाएगा। इसमें बिलासपुर की जीवनदायिनी अरपा नदी का जल भी शामिल किया गया है। यात्रियों ने अब तक लगभग 1500 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर ली है बिलासपुर के लिए सौभाग्य का अवसर - श्री कौशिक विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बिलासपुरवासियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि उन्हें वडनगर से काशी जा रही इस सेवा यात्रा के स्वागत का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक अपने सार्वजनिक जीवन में सेवा और विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं, किसानों और जरूरतमंद परिवारों को योजनाओं के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक संबल मिला है। उप मुख्यमंत्री हितग्राहियों के बीच पहुंचे, पूछा-महतारी वंदन ने जीवन में क्या बदलाव लाया कार्यक्रम का आत्मीय दृश्य उस समय देखने को मिला जब उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव मंच से उतरकर महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं के बीच पहुंचे। उन्होंने नीलम मार्को, प्रियंका नवरंग, अंजली साहू और लक्ष्मी नवरंग से सीधे संवाद कर जाना कि योजना से मिलने वाली राशि का वे किस प्रकार उपयोग कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि कोई इस राशि को सुकन्या समृद्धि योजना में जमा कर बेटी का भविष्य संवार रही है तो कोई बच्चों की बेहतर पढ़ाई, दवाइयों एवं परिवार की जरूरतों में इसका उपयोग कर रही है। कुछ महिलाएं बेटी के विवाह के लिए भी राशि संजो रही हैं। हितग्राहियों ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री ने वय वंदन आयुष्मान कार्ड का उपचार में लाभ ले चुके लक्ष्मीबाई और गोकुल को भी सम्मानित किया। श्री साव ने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य लोगों को उनका लाभ देकर आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना है। जब नागरिक सशक्त होते हैं तो देश भी मजबूत होता है और विकसित भारत का संकल्प साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता है।

'सेवा मेरा योगदान' में श्रमदान से स्वच्छता का संदेश, स्वच्छता दीदियों के योगदान का हुआ सम्मान'

'सारागांव में जनप्रतिनिधियों और अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के माध्यम से जांजगीर-चांपा जिले में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने के साथ स्वच्छता कर्मियों के योगदान को सम्मान दिया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पंचायत सारागांव में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया, वहीं नगर पंचायत खरौद में स्वच्छता दीदियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित करने के साथ उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। श्रमदान कर दिया स्वच्छता में सहभागिता का संदेश नगर पंचायत सारागांव स्थित एफसीआई गोदाम परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान में जनप्रतिनिधियों और अधिकारी-कर्मचारियों ने श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान नागरिकों को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, इधर-उधर कचरा नहीं फैलाने और कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने के लिए प्रेरित किया गया। सामूहिक श्रमदान के जरिए स्वच्छता को प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बनाने का संदेश दिया गया। स्वच्छता दीदियों के योगदान को मिला सम्माननगर पंचायत खरौद में स्वच्छता, सफाई, सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन कर नगर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही स्वच्छता दीदियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।



कार्यक्रम में स्वच्छ एवं सुंदर नगर के निर्माण में स्वच्छता कर्मियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके कार्यों की सराहना की गई और उन्हें इसी समर्पण के साथ स्वच्छता के लिए निरंतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से श्रमदान, जनजागरूकता और स्वच्छता कर्मियों के सम्मान को जोड़ते हुए स्वच्छता में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

खाली पड़ी जमीन पर बनी डबरी ने बदली तस्वीर, सनी लाल को मछली पालन के साथ मिली सिंचाई की सुविधा

ग्रामीण रोजगार योजना से बनी डबरी में शुरू किया मछली पालन, बिक्री से अतिरिक्त आमदनी की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिस जमीन का पहले कोई उपयोग नहीं हो पा रहा था, आज उसी जमीन पर बनी डबरी सनी लाल के परिवार के लिए आजीविका की नई संभावनाएं लेकर आई है। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत डबरी निर्माण होने से उन्हें मछली पालन के साथ खेती के लिए सिंचाई की सुविधा भी मिली है। डबरी में संग्रहित पानी से अब आसपास की जमीन पर साग-भाजी की खेती की जा रही है, वहीं मछलियों के तैयार होने के बाद उनकी बिक्री से अतिरिक्त आमदनी की उम्मीद भी है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अपनी 'सेवा की कहानी' साझा करते हुए सरगुजा जिले के सनी लाल, पिता शिवचरन बताते हैं कि पहले उनकी जमीन खाली पड़ी रहती थी। पानी की सुविधा नहीं होने के कारण उसका बेहतर उपयोग नहीं हो पा रहा था। ग्रामीण रोजगार योजना से डबरी बनने के बाद अब इसी जमीन को खेती और मछली पालन जैसी आजीविका गतिविधियों से जोड़ने का अवसर मिला है। मछली पालन से अतिरिक्त आमदनी की तैयारी सनी लाल ने डबरी में मछली पालन शुरू कर दिया है। मछलियों के तैयार होने के बाद उन्हें बाजार में बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करने की उनकी योजना है। इस तरह डबरी उनके लिए जल संग्रहण की संरचना होने के साथ आजीविका का नया साधन भी बन रही है। मछली पालन शुरू होने से परिवार को खेती के अलावा आय का एक और विकल्प मिला है। सनी लाल को उम्मीद है कि मछलियों की बिक्री से होने वाली आमदनी परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में मददगार बनेगी। डबरी के पानी से साग-भाजी की खेती को मिला सहारा डबरी का लाभ केवल मछली पालन तक सीमित नहीं है। इसमें संग्रहित पानी का उपयोग सनी लाल आसपास की जमीन पर साग-भाजी की खेती और सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। पानी की उपलब्धता से पहले खाली रहने वाली जमीन को खेती के उपयोग में लाने का अवसर मिला है। एक ही जल संरचना से मछली पालन और सिंचाई की सुविधा मिलने से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो रहा है। बरसाती पानी का संग्रह खेती को सहारा दे रहा है और उसी जलस्रोत में मछली पालन अतिरिक्त आमदनी की संभावना तैयार कर रहा है। पहले जमीन खाली रहती थी, अब लगा रहा हूं साग-भाजी सनी लाल बताते हैं, 'पहले जमीन खाली रहती थी। ग्रामीण रोजगार योजना से डबरी बनी है। इसमें मछली पाले हैं, जिसे बेचकर लाभ लेना है। डबरी बनने से सिंचाई की सुविधा मिली है और अब मैं साग-भाजी भी लगाता हूं। डबरी ने सनी लाल के लिए एक ही स्थान पर जल संरक्षण, सिंचाई और मछली पालन की संभावनाएं तैयार की हैं। पानी की उपलब्धता से खाली जमीन को खेती के उपयोग में लाने के साथ परिवार के लिए अतिरिक्त आजीविका का रास्ता भी खुला है। सनी लाल ने डबरी निर्माण से मिली सुविधा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत उनकी यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि खेत में जल संरक्षण की छोटी संरचना भी अनुपयोगी जमीन को आजीविका से जोड़कर ग्रामीण परिवार के लिए खेती और अतिरिक्त आय का आधार बन सकती है।



संक्षिप्त समाचार

नगर पालिक निगम दुर्ग के 'आंगन मिलन' कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का हुआ सम्मान



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक-17 कादम्बरी नगर स्थित आंगनबाड़ी भवन में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और कुपोषण की रोकथाम के प्रति जागरूकता का संदेश देने के साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों को सम्मानित किया गया। गर पालिक निगम दुर्ग के 'आंगन मिलन' कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का हुआ सम्मान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और मितानिन महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके माध्यम से महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पौष्टिक आहार सहित विभिन्न सेवाओं एवं गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है।

स्वर्णिम निशाने के साथ विश्व रिकॉर्ड की बराबरी, भारतीय तीरंदाजी की बेटियों ने रचा इतिहास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा में शानदार स्वर्ण पदक जीतने पर ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और तनीपर्थी चिकिता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय तीरंदाजी की इस प्रतिभाशाली तिकड़ी ने अद्भुत एकाग्रता, सटीक निशानेबाजी और असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए हासिल की गई यह स्वर्णिम उपलब्धि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर ऐसा शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। भारतीय बेटियों ने अपने प्रदर्शन से न केवल तिरंगे का मान बढ़ाया है, बल्कि देश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के सामने उत्कृष्टता की नई मिसाल भी पेश की है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और तनीपर्थी चिकिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह स्वर्णिम सफलताएं हासिल कर देश का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव की पहल पर भरदा में जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दुर्ग जिले के ग्राम भरदा में विगत 26 सितंबर को अतिवृष्टि और जलभराव से उत्पन्न गंभीर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव की त्वरित पहल से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। राहत शिविर में प्रभावित परिवारों से भेंट के दौरान ग्रामीणों और किसानों द्वारा की गई मांग पर संज्ञान लेते हुए, जिला प्रशासन ने 12.87 लाख रूपए की लागत से पक्की निकासी नाली निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। आवंटन कुल 12.87 लाख रूपए के इस निर्माण कार्य में 2.56 लाख रूपए मजदूरी मद के लिए और 10.31 लाख रूपए सामग्री मद के लिए आवंटित किए गए हैं। यह कार्य वीबी-जी रामजी (विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी) योजना के तहत कराया जाएगा। यह निकासी नाली पुरुषोत्तम निषाद के घर से केशव ठाकुर के घर तक बनाई जाएगी, जिससे बारिश के दौरान मार्ग पर होने वाले जलजमाव से स्थायी रूप से मुक्ति मिलेगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार और सुविधाएं जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत विकास कार्यों को स्थानीय मूलभूत आवश्यकताओं से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत मांग करने वाले पात्र ग्रामीणों को 15 दिवस के भीतर 300 रूपए प्रतिदिन की निर्धारित मजदूरी दर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा